mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-193 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

15 जुलाई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

साइना नेहवाल और...

@ पेज 7

उमर अब्दुल्ला ने कब्रिस्तान की दीवार फांदी, फातिहा पढ़ा

श्रीनगर ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान में कब्रों पर फातिहा पढ़ने और फूल चढ़ाने के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। इसमें उमर कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल फांदकर अंदर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे प्रशासन की सख्ती के बाद भी 13 जुलाई शहीद दिवस पर नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान पहुंचे। यहां 94वें साल पहले जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरि सिंह के शासन के दौरान मारे गए 22 लोगों (मुस्लिम) को श्रद्धांजलि दी। 1900 से 1930 के दौरान जम्मू-कश्मीर में मुस्लिम समुदायों ने तत्कालीन महाराजा हरि सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी। 13 जुलाई 1931 को महाराज की सेना से झड़प में 22 लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर में आंदोलन तेज हुए। उमर के दादा शेख अब्दुल्ला ने 1949 में 13 जुलाई को शहीदी दिवस घोषित किया। 2019 तक 13 जुलाई को शासकीय अवकाश रहा करता था। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस दिन को आधिकारिक छुट्टियों की सूची से हटा दिया गया। तब से शहीदी दिवस को लेकर विवाद जारी है

डीजीसीए बोला-बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच जरूरी

वॉशिंगटन ,एजेंसी। भारत में रजिस्टर्ड सभी बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच होगी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एयरलाइंस को सोमवार को आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि जांच 21 जुलाई तक पूरी कर ली जाए। डीजीसीए ने बोइंग के सभी एयरलाइन ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सौंपें। यह फैसला अहमदाबाद प्लेन क्रैश केस की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टीगेशन ब्यूरो रिपोर्ट के बाद लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्यूल कंट्रोल स्विच, रन से कटऑफ और फिर वापस रन में बदल जाने के कारण इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था। एतिहाद समेत कुछ विदेशी एयरलाइनों ने अपने ड्रीमलाइनरों की ये जांच पहले ही शुरू कर दी हैं। इससे पहले, अमेरिका की सरकारी एजेंसी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और बोइंग ने रविवार को कहा था, फ्यूल कंट्रोल स्विच का डिजाइन, लॉकिंग फीचर्स, बोइंग के अलग-अलग विमानों में एक ही है। फिर भी हम इसे खतरा नहीं मानते, जिसके लिए किसी भी बोइंग विमान मॉडल पर एयरवर्दीनेस डायरेक्टिव देने की जरूरत पड़े।%

बिहार में बाढ़-बिजली गिरने से 13 की मौत

नई दिल्ली। बिहार में बीते 24 घंटे में बाढ़-बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली गिरने से प्रदेश में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें सबसे ज्यादा 5 मौतें बांका में हुई। वहीं, बाढ़ से गयाजी में 2, नालंदा और पटना में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। राजस्थान में भी बीते 1 दिन में बारिश की घटनाओं में 7 लोगों की मौत हो गई है।

वैश्विक टेक्सटाइल हब के रूप में मध्यप्रदेश को स्थापित करने की दिशा में अहम पहल

भोपाल,एजेंसी। दुबई दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टेक्सटाइल मर्चेंट्स ग्रुप के मुख्यालय का भ्रमण किया और दुबई के प्रमुख कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात कर उद्योग एवं निवेश से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा की। इस उच्च स्तरीय संवाद का उद्देश्य भारत-यूएई समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (ष्टश्वक्र) के तहत कपड़ा क्षेत्र में व्यापार, नवाचार और निवेश के अवसरों को सशक्त बनाना है।

टेक्समास की स्थापना 1990 में दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संरक्षण में हुई थी। यह दुबई के टेक्सटाइल री-एक्सपोर्ट हब के रूप में विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। चेयरमैन श्री नासिर अखून, वाइस चेयरमैन श्री विनोद नागदा, और अन्य भारतीय मूल के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने ष्टश्वक्र के तहत द्विपक्षीय व्यापार को गति देने पर सहमति जताई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्समास के प्रतिनिधियों को बताया कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख वस्त्र उत्पादन राज्यों में से एक है। यहां पीएम मित्रा पार्क (धार) जैसे अत्याधुनिक टेक्सटाइल क्लस्टर

वैश्विक निवेशकों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2025 के तहत भूमि, पूंजीगत अनुदान, स्तस्ञ्ज प्रतिपूर्ति और श्रम सुविधा जैसे प्रावधानों से अवगत कराया। टेक्समास द्वारा अपनाए जा रहे ई-कॉमर्स, इन्वेंट्री और डिजिटल लॉजिस्टिक्स समाधानों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्री 4.0 को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस क्षेत्र में तकनीकी सहयोग हेतु यूएई कंपनियों को आमंत्रित किया।

नीट-यूजी के 75 छात्रों की परीक्षा दोबारा नहीं होगी

इंदौर ,एजेंसी। नीट-यूजी के दौरान बिजली गुल होने के मामले में सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट ने प्रभावित 75 से ज्यादा स्टूडेंट्स की दोबारा परीक्षा कराने संबंधी याचिकाएं खारिज कर दीं। हाईकोर्ट ने परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए की रिट अपील मंजूर करते हुए अपना फैसला सुनाया। इस मामले में एनटीए की अपील पर 10 जुलाई को सुनवाई हुई थी, तब कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। इंदौर और उज्जैन के प्रभावित 75 से ज्यादा छात्र हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।

लद्दाख में एलजी और हरियाणा-गोवा में नए राज्यपालों की नियुक्ति

नई दिल्ली ,एजेंसी। राष्ट्रपति ने हरियाणा, गोवा के राज्यपाल और लद्दाख के उपराज्यपाल बदले हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के एलजी पोस्ट से रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. बीडी मिश्रा के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कविंदर गुप्ता को नया उपराज्यपाल नियुक्त किया है। कविंदर गुप्ता, जम्मू-कश्मीर के एक सीनियर भाजपा नेता हैं और महबूबा मुफ्ती के मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। इनके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा और पुसपति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का 19वां राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले बंडारू दत्तात्रेय राज्यपाल थे। वह 7 जुलाई 2021 से यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अशीम घोष पश्चिम बंगाल के हावड़ा के रहने वाले हैं। 1999 से लेकर 2002 तक पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। अशीम कोलकाता के मनिन्द्र चंद कॉलेज में पॉलिटिकल साइंस के प्रोफेसर रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में मंत्री रहे तपन सिखदर अशीम को राजनीति में लाए थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही उनकी निपुणता को देखते हुए पार्टी की कमान सौंपी थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्र-राज्य सरकारें हेट स्पीच को रोकें

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- लोग नफरत भरे भाषण को बोलने की आजादी समझ रहे हैं, जो गलत है। लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि सरकार को इसे नियंत्रित करने की जरूरत न पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कोलकाता के

वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उस पर कई राज्यों में सोशल मीडिया पर नफरत और सांप्रदायिक अशांति भड़काने वाला कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं।

गडकरी बोले-ऐसे लोगों की जरूरत जो सरकार पर केस करें

नागपुर ,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ केस दाखिल कर सकें। अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है। उन्होंने कहा- कई बार अदालत का आदेश ऐसे काम भी करवा देते हैं, जो सरकार नहीं करवा पातीं। समाज में कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में

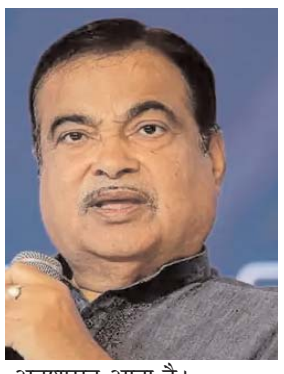

अनुशासन आता है।

गडकरी ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं-मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। गडकरी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें केंद्र-राज्य सरकारों को खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है। दरअसल, 13 जुलाई को नितिन गडकरी नागपुर पहुंचे थे। वहां वहां प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में उन्होंने ये बात कही थी।

समाज में जागरूक-जुझारू लोगों की मौजूदगी जरूरी गडकरी ने कुशल संघटक के तौर पर सम्मानित लोगों की सराहना की।

राजस्थान के शिव मंदिर में 151 किलो घी से अभिषेक, काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए 1 सेकेंड का वक्त

नई दिल्ली ,एजेंसी। सावन महीने का आज पहला सोमवार है। सभी ज्योतिर्लिंगों के अलावा देश के छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक जारी है। रविवार रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जमा है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के तड़के सुबह 2.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। यहां हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे हैं। सावन महीने में यहां 80 लाख लोगों के आने का अनुमान है।

राजस्थान के जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर

में सुबह 3 बजे भगवान भोलेनाथ का 151 किलो गाय के घी से अभिषेक किया गया है। महंत शक्ति व्यास ने बताया- 3100 किलो आम से मंदिर की सजावट की गई है।

यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई।

अमरनाथ यात्रा-11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

नई दिल्ली ,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के पहले 11 दिनों में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए हैं। रविवार को 20,000 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी।

इधर सोमवार को 6,100 यात्रियों का छठा जत्था सोमवार को जम्मू से गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

गांदरबल जिले के जेड-मोड़ टनल के पास तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलट किया। हादसे में सीआरपीएफ के 3 जवान घायल हो गए। इससे पहले रविवार को कुलगाम में 3

बसों की आपस में टक्कर होने से 10 यात्री घायल हुए थे।

अबतक 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है।

शुभांशु की रिटर्न जर्नी शुरू

फ्लोरिडा ,एजेंसी। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट आज 14 जुलाई को शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा कार्गो के साथ वापस आएगा। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60 से ज्यादा प्रयोगों का डेटा शामिल होगा। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चारों एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे ड्रैगन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे एस्ट्रोनॉट रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी।

चीनी उपराष्ट्रपति से मिले विदेश मंत्री जयशंकर

बीजिंग ,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों में हालिया सुधार का जिक्र किया। दोनों नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर ने कहा, भारत और चीन के संबंध अक्टूबर 2023 में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के

बाद से लगातार बेहतर हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच 75 साल के राजनयिक संबंध पूरे हो चुके हैं। जयशंकर ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को जटिल बताया और कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े पड़ोसी देशों के बीच खुलकर बातचीत बेहद जरूरी है। उन्होंने चीनी उपराष्ट्रपति को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भारत में बेहद सराहा गया है।

हरियाणा के नूंह में शांतिपूर्ण ढंग से निकली ब्रजमंडल यात्रा

नूंह ,एजेंसी। हरियाणा के नूंह में सोमवार (14 जुलाई) को कड़ी सुरक्षा के बीच ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। 80 किलोमीटर लंबी इस यात्रा की शुरुआत दोपहर 12:30 बजे नल्हड़ेश्वर (नल्हड़) मंदिर में जलाभिषेक से शुरू हुई। इसके बाद फिरोजपुर झिरका के झिरकेश्वर महादेव मंदिर से होते हुए शाम 6 बजे शिंगार गांव के श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां जलाभिषेक के बाद यात्रा का समापन हो गया। 2 साल पहले जुलाई 2023 में हुई हिंसा से सबक लेते हुए सरकार ने इस बार कल, रविवार (13 जुलाई) की रात को ही 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया था। आज सोमवार (14 जुलाई) रात 9 बजे तक लागू इस आदेश में बल्क एसएमएस पर भी पाबंदी रही। इसके अलावा नूंह के सारे प्राइवेट और सरकारी स्कूल भी बंद रहे।

बोर्ड लगाकर बताएं-समोसे में कितना तेल, जलेबी में कितनी शक्कर,केंद्र सरकार का आदेश

नई दिल्ली। देश में बढ़ते मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्नैक्स पर चेतावनी जारी करने को कहा है।

आपके समोसे में कितना तेल है, लड्डू और जलेबी में कितनी शक्कर है और वड़ा पाव में कितनी कैलोरी है, यह जानकारी भी स्नैक्स के साथ मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी विभागों से कहा है कि वे अपनी कैंटीन में बेचे जा रहे सामान के लिए तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड लगाएं। देश में बढ़ते मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये कदम उठाया है।

समोसा-जलेबी पर चेतावनी होगी, लेकिन पाबंदी नहीं

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक समोसे, जलेबी को लेकर चेतावनी तो लिखी जाएगी, लेकिन उन पर पाबंदी नहीं लगाई जाएगी। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त संस्थानों की कैंटीन में यही नियम लागू होगा।

पंजाब में धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी पर उम्रकैद होगी

चंडीगढ़ ,एजेंसी। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को लेकर विधानसभा में बिल पेश कर दिया है। इसके मुताबिक अगर कोई किसी भी धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी (अपमान) करता है तो उसे 10 साल की कैद से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इस कानून में धार्मिक ग्रंथों में सिखों के श्री गुरु ग्रंथ साहिब के साथ हिंदुओं की श्रीमद्भागवत गीता, मुस्लिमों की कुरान शरीफ और ईसाई धर्म की बाइबल को भी शामिल किया गया है। पंजाब सरकार ने इसे पंजाब पवित्र ग्रंथ बिल-

2025 का नाम दिया है। सीएम भगवंत मान ने यह बिल पेश किया। इस बिल पर अब कल होने वाले पंजाब विधानसभा के चौथे व आखिरी दिन के सत्र में चर्चा होगी। चूंकि पंजाब में आम आदमी पार्टी के पास 117 में से 93 विधायक हैं, ऐसे में बिल पास होना तय है।

हालांकि इस बिल को कानूनी रूप तभी मिलेगा, जब राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद राष्ट्रपति के स्तर पर इसे मंजूरी मिल सके। यदि इस बिल को लागू करने में कोई कठिनाई आती है या कोई अस्पष्टता रहती है

श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के पॉवर हाउस नंबर 2 ने एक दिन में ड्राई ऐश निष्पादन का नया कीर्तिमान रचा

भोपाल ,एजेंसी। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया (खंडवा) के 660-660 मेगावाट क्षमता के पॉवर हाउस नंबर-2 ने गत दिवस कुल 140 बल्कर ट्रक ड्राई ऐश निजी कंपनियों को भेजकर निष्पादन का नया रिकार्ड कायम किया। यह पावर हाउस नंबर-2 की स्थापना के बाद ड्राई ऐश निष्पादन का सर्वश्रेष्ठ रिकार्ड है। उल्लेखनीय है कि पावर हाउस नंबर-2 की प्रथम यूनिट 18 नवम्बर 2018 को और द्वितीय यूनिट की कमीशनिंग 28 मार्च 2019 को हुई थी। उल्लेखनीय है कि पूर्व पॉवर हाउस नंबर-2 द्वारा 27 दिसंबर 2023 को अधिकतम 126 बल्कर ट्रक द्वारा ड्राई ऐश का निष्पादन किया गया था। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में पूर्व में ड्राई ऐश के निष्पादन में कई तकनीकी समस्या आ रही थीं। इस समस्या का ताप विद्युत परियोजना के अभियंताओं द्वारा अपनी सूझबूझ व तकनीकी कौशल से निराकरण कर नया कीर्तिमान रचा गया। इससे पूर्व श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना परियोजना के 600-600 मेगावाट क्षमता के पावर हाउस नंबर-1 ने इसी वर्ष 30 मार्च को अधिकतम 230 बल्कर ट्रक द्वारा ड्राई ऐश के निष्पादन का कीर्तिमान बनाया था।

कार्यपरिषद की बैठक में पहुंचा मामला?

भोपाल ,एजेंसी। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) में विगत वर्षों से लगातार अनुशासनहीनता और आंतरिक विवाद की स्थिति बनी हुई है। इसके डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विभाग के दो सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष अहिरवार और उदय चौरसिया पर विभिन्न आरोप लगे हैं, जिनमें संविदा प्राध्यापकों से टकराव, पुनर्नियुक्ति में पक्षपात, वॉक-इन इंटरव्यू में बाधा, छात्रों के मूल्यांकन में दुर्भावना, और शारीरिक झगड़े जैसी घटनाएं शामिल हैं। एक बार फिर कांट्रेक्ट फैकल्टी द्वारा रेगुलर फैकल्टी पर आरोप लगाए जा रहे हैं। अब यह मुद्दा गत दिवस हुई कार्य परिषद की बैठक में पहुंचा। यूआईटी के डायरेक्टर प्रो. सुधीर सिंह भदौरिया कार्यपरिषद में एक प्रस्ताव बनाकर ले गए और प्रस्ताव को पटल पर रखकर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। लेकिन रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन ने आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि इन विषयों में उसी दौरान आपके द्वारा एक्शन क्यों नहीं लिया गया? आपको कार्रवाई करना थी। 2023 में प्रो. संजय सिलाकारी की पुत्री शुभ्रा शिलाकारी को जानबूझकर फेल करने के मामले में जांच समिति ने दोनों प्राध्यापकों को दोषी ठहराया। इसी प्रकार 2022 में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संविदा प्राध्यापक देवांश जैन से मारपीट के मामले में रिटायर्ड न्यायाधीश डॉ. दिनेश नायक की रिपोर्ट में भी दोनों को शिक्षक की गरिमा के विपरीत आचरण का दोषी पाया गया।

गंभीर रूप से झुलसे मरीजों व जन्मजात विकृतियों वाले बच्चों के इलाज में मिली उल्लेखनीय सफलता

भोपाल ,एजेंसी। कल्पना कीजिए-एक झटका, एक हादसा और आपका हाथ ऐसा हो जाए जैसे वह शरीर का हिस्सा ही नहीं! न हिल सके, न कुछ पकड़ सके। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरी की हकीकत है। राहत की बात यह है कि इस गंभीर समस्या का इलाज न केवल संभव है, बल्कि सफल भी हो रहा है। शनिवार को एम्स भोपाल में इसी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सीएमई (सतत चिकित्सा शिक्षा) का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह, डीन (शैक्षणिक), और कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक की मौजूदगी में हुई।

भारत और नेपाल के संबंध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आत्मीयता से जुड़े हुए हैं -राज्य मंत्री श्री पटेल

भोपाल ,एजेंसी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि भारत और नेपाल के बीच के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आत्मीयता से जुड़े हुए हैं। राज्य मंत्री श्री पटेल भोपाल में आयोजित भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग सम्मेलन 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार इन संबंधों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को भारत-नेपाल आर्थिक साझेदारी का सेतु बनाने के लिये हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने नेपाल के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग सम्मेलन 2025 का आयोजन नेपाल दूतावास, भारत में स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के इंडिया-नेपाल सेंटर और मध्यप्रदेश राज्य चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। सम्मेलन में भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करना तथा निवेश, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं

में सहयोग के लिए विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में नेपाल दूतावास की मंत्री-परामर्शदाता श्री अंबिका जोशी और आर्थिक परामर्शदाता श्री रवींद्र जंग थापा ने प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जहां नेपाल अपने कुल निर्यात का लगभग 68 प्रतिशत भारत को करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से नेपाल को 7.041 बिलियन डॉलर का निर्यात और नेपाल से भारत को 829.71 मिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। भारत की लगभग 150 कंपनियां वर्तमान में नेपाल में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जनकपुर स्थित प्रसिद्ध जानकी मंदिर का निर्माण मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ की रानी द्वारा करवाया गया था, जो भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।सम्मेलन में पीएचडीसीसीआई मध्यप्रदेश चैप्टर के सह-अध्यक्ष डॉ. अनुपम चौकसे और श्री मनोज मोदी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल के निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे, एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश सरकार के उप सचिव श्री पंकज शर्मा, एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. अजय सिंह, यूनिसेफ भोपाल से श्री अनिल गुलाटी, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड में निवेश संवर्धन के निदेशक श्री राजेश गुप्ता, पतंजलि फूड्स एमपी एवं सीजी के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजेश सक्सेना, इंडिया-नेपाल सेंटर के सचिव श्री अतुल के ठाकुर, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति संस्थान के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनोज जैन और पीएचडीसीसीआई मध्यप्रदेश के रेजिडेंट मैनेजर श्री अनिरुद्ध दुबे सहित कई प्रमुख वक्ताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और विचार साझा किए।

परिवहन विभाग जल्द जारी करेगा गाइड लाइन-पुरानी गाड़ियों की खरीद-बिक्री पर आईडी सहित रिकॉर्ड जरूरी

भोपाल ,एजेंसी। प्रदेश में सेकंड हैंड वाहनों की खरीद-फरोख्त के नियम बनने जा रहे हैं। वाहनों को बेचने और खरीदने वाले व्यक्ति की पूरी जानकारी रखना अनिवार्य होगा। परिवहन विभाग इस संबंध में विस्तृत गाइडलाइन तैयार कर रहा है। इसके लागू होने के बाद नियमों का पालन नहीं करने वाले डीलर, एजेंट, ब्रोकर या कबाड़ा व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे प्रदेश में सेकंड हैंड वाहनों का कारोबार करने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। पूरा डाटा एकत्र होने के बाद गाइडलाइन तैयार की जाएगी। ज्वाइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विनोद भार्गव ने बताया कि गाइडलाइन बन जाने के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी निर्धारित की जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत सेकंड हैंड कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि की खरीद-बिक्री करने वाले डीलर, एजेंट, ब्रोकर या स्क्रैप कारोबारी को हर लेन-देन का स्थायी रिकॉर्ड रखना होगा। इसके लिए खरीदार और विक्रेता की पहचान से संबंधित दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या राशन कार्ड

MP RTO

के साथ उनकी फोटो अनिवार्य होगी। वाहन से जुड़े दस्तावेजों- जैसे रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी), फॉर्म-29, फॉर्म-30, डिलीवरी लेटर आदि की स्पष्ट तारीख वाली प्रतियां भी रिकॉर्ड में संलग्न करनी होंगी।

अगर किसी सौदे के दौरान लेन-देन संदिग्ध लगे, तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित थाने को देना अनिवार्य होगा। इससे धोखाधड़ी जैसे मामलों को रोका जा सकेगा।

20 सड़कों पर मिले 170 गड्ढे

भोपाल ,एजेंसी। शहर की सड़कों पर गड्ढों को लेकर मची हायतौबा के बीच पीडब्ल्यूडी ने शुक्रवार को 5 इंजीनियरों को सड़कों पर उतारा। इन्हें गड्ढों की गिनती कर रिपोर्ट देने और 20 जुलाई तक मरम्मत का जिम्मा सौंपा गया था। इंजीनियरों ने महज कुछ घंटों में गिनती पूरी कर रिपोर्ट दी कि 20 सड़कों पर केवल 170 गड्ढे हैं। इस रिपोर्ट की हकीकत देखने शनिवार को दैनिक भास्कर के तीन रिपोर्टरों ने इन्हीं 20 में से 15 सड़कों पर जाकर हकीकत देखी। 4 घंटे में भास्कर रिपोर्टरों ने इन सड़कों पर 1516 गड्ढे मिने। मजे की बात ये है कि यह वही सड़कें थीं, जिन्हें पीडब्ल्यूडी की 5 टीमों ने एक दिन पहले देखा था और

रिपोर्ट मुख्य सचिव तक भेजी थी। इस बाबत पूछने पर भोपाल सर्किल के चीफ इंजीनियर ने सफाई दी कि पैचवर्क किया जा रहा है, लेकिन लगातार बारिश के कारण यह टिक नहीं रहा है।

इधर, शहर में पीडब्ल्यूडी की 6 सड़कों के टेंडर हो चुके हैं। ये सड़कें सीमेंट कांक्रीट से बनेंगी। इनमें इंदिरा मार्केट से आरकेएमपी, ई-5 अरेरा से हबीबगंज थाना, मंदाकिनी से जेके अस्पताल, डीआईजी से काली परेड करोंद मंडी और भरतनगर केनाल रोड शामिल हैं।

श्रीमती निर्मला शर्मा, रीना परमार और विकेश शाह की कहानी बनी प्रेरणा

भोपाल ,एजेंसी। विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम सिहोरा की श्रीमती निर्मल शर्मा, सीहोर जिले के ग्राम हरिपुर की श्रीमती रीना परमार, सिंगरौली जिले के श्री विकेश शाह जैसे प्रदेश के साढ़े तीन हजार से अधिक ऐसे हितग्राही हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत बैंकों के माध्यम से 298 करोड़ का ऋण उपलब्ध कराया गया है, इन आत्मनिर्भर हितग्राहियों की सफलता की कहानी से प्रदेश में योजना के क्रियान्वयन और उसकी सफलता का अनुमान लगाया जा सकता है।

श्रीमती निर्मला शर्मा ने स्वयं का रोजगार स्थापित करने का सोचा, योजना के तहत 26.47 लाख रूपये का ऋण लेकर अपने ही गांव सिहोरा तहसील कुरवाई में फ्लोर मिल और पैकेजिंग यूनिट स्थापित की। वह आसपास के किसानों से शरबती, काला, लाल गेहूँ खरीद कर उनकी ग्रेडिंग करती हैं। आटा, दलिया, चापर तैयार कर, एक किलो, 5 किलो, 30 किलो की पैकिंग कर देश के साथ विदेशों में भी भेजती है। उनका वार्षिक टर्न ओवर 2022-23 में 12 करोड़ 42 लाख से भी अधिक रहा है। इसी प्रकार सीहोर के हीरापुर की श्रीमती रीना परमार ने 25 लाख रूपये के बैंक ऋण से गांव में ही डेयरी प्रोडक्ट बनाना प्रारंभ किया। प्रतिदिन 15 हजार लीटर दूध से घी, पनीर, मावा, श्रीखण्ड उत्पादन सीहोर और आसपास के क्षेत्र में अच्छी मांग पर बिक्री हो रही है। इससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी हो रही है।

सिंगरौली के विकेश कुमार शाह 18.20 लाख रूपये के ऋण से यूनिट स्थापित की। उनका वर्ष 2024-25 में 42 लाख रुपये का टर्न ओवर रहा। उन्होंने 12.50 लाख रूपये से अधिक का मुनाफा कमाया है। ये केवल चुनिंदा हितग्राहियों की कहानी है, जो अपनी मेहनत और योजना की मदद से अपना और लोगों को रोजगार देकर सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रहे है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभूतपूर्व वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बन गया है। इस योजना के तहत राज्य के 52 जिलों में कुल 3554 लाभार्थियों को 298.48 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया गया है। यह योजना केंद्र सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही है,

विद्यार्थियों के लिए सरकार सभी सुविधाएँ उपलध करायेगी : मंत्री डॉ. शाह

भोपाल ,एजेंसी। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने रविवार को खंडवा जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम जामनी गुर्जर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें, सरकार सभी सुविधाएँ उपलब्ध करायेगी। उन्होंने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएँ सुनी। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जिले के तीनों कन्या शिक्षा परिसरों में ब्लैक बोर्ड या ग्रीन बोर्ड के स्थान पर डिजिटल बोर्ड स्थापित कराए जाएंगे और कन्या शिक्षा परिसरों में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि

छात्राओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, जिससे वह पढ़ाई के बाद स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि ग्राम आवलिया में संस्कृति व संस्कार का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कन्या शिक्षा परिसर के लिए बड़े वाहनों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे छात्राओं को आसपास के दर्शनीय स्थल तथा उच्च शिक्षण संस्थानों का भ्रमण भी कराया जा सके। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि जनजातीय वर्ग की छात्राओं की सुविधाओं के लिए शालिनी ऐप तैयार किया गया है, जिसमें छात्रावासों में प्रवेश या छात्रवृत्ति भुगतान जैसी सभी समस्याओं के निराकरण की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश नहीं मिल पाता है, उन्हें गांव से शहर जाकर पढ़ने के लिए कमरा किराए पर लेने के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है। मंत्री डॉ. शाह ने सहायक आयुक्त को निर्देश की छात्राओं को पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई का भी भ्रमण कराया जाए

जिससे वे तकनीकी शिक्षा और रोजगार मूलक पाठ्यक्रम के बारे में जान सकें। उन्होंने कहा कि ग्राम सेल्दा में खेल प्रशिक्षण परिसर स्थापित किया जाएगा,

विधायक द्वारा दान दी गई जमीन से ग्रामीणों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

भोपाल ,एजेंसी। सच्चे जनप्रतिनिधि वही होते हैं जो ज़रूरत के समय सिर्फ बातें नहीं बल्कि अपने अच्छे कार्यों से मिसाल पेश करते हैं। जबलपुर जिले के कुंडम विकासखंड के ग्राम पड़रिया में हाल ही में तैयार हुआ 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' इसका जीवंत उदाहरण है। यह कोई साधारण स्वास्थ्य केंद्र नहीं बल्कि स्थानीय विधायक श्री संतोष वरकड़े की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक है।

फरवरी 2023 में जब पड़रिया गांव के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति मिली, तो पूरे क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ गई। लेकिन भूमि उपलब्ध नहीं होने

से कई महीनों तक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण शुरू नहीं हो सका और परियोजना अधर में लटकी रही। क्षेत्रीय विधायक श्री वरकड़े ने स्वयं आगे आकर लगभग 30,000 वर्गफुट निजी भूमि दान में देकर एक ऐसी मिसाल पेश की जो वर्षों तक याद की जाएगी।

उन्होंने यह भूमि नि:स्वार्थ भाव से केवल इस उद्देश्य से दी कि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले। उनकी इस पहल से रूकी हुई परियोजना को नई गति मिली और परिणामस्वरूप 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' बनकर पूरी तरह तैयार है।

यह स्वास्थ्य केंद्र न केवल 10 बिस्तरों की सुविधा से युक्त है, बल्कि इसके परिसर में ही डॉक्टरों व स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे आपातकालीन परिस्थिति में भी स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं होंगी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के शुरू होने से 23 गांवों के लगभग 15 से 20 हजार लोग को सीधा लाभ प्राप्त होगा। ग्रामीणों को छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए शहर भी नहीं जाना पड़ेगा। इससे न केवल इलाज सुलभ होगा, बल्कि ग्रामीणों का आर्थिक बोझ भी घटेगा।

श्रमिकों की सेहत और जागरूकता के लिए श्री पहल शुरू

भोपाल ,एजेंसी। श्रम तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल के निर्देशानुसार श्रम विभाग श्रमिकों की भलाई और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से श्री नाम से नई पहल की शुरुआत की गई है। इस पहल के अंतर्गत श्रमिकों के स्वास्थ्य, जागरूकता और जीवनशैली सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम प्रस्तावित किए गए हैं। श्री के तहत मुख्य रूप से नशा न करने की पहल, दैनिक व्यायाम का महत्व और मधुमेह जैसी बीमारियों से बचाव के लिए आहार नियंत्रण जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसके लिए कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) तंत्र के साथ संबल योजना, श्रम कल्याण योजनाएं एवं निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड डेटाबेस का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। इन विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से राज्य में बड़ी संख्या में श्रमिकों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाई जाएगी। श्री पहल के अंतर्गत अब प्रत्येक मंगलवार को कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के सभी औषधालयों और चिकित्सालयों में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

इस पहल के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा श्रमिकों को निवारक स्वास्थ्य संदेशों से अवगत भी कराया जा रहा है। इस पहल के तहत प्रदेश के कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के 42 औषधालयों और 5 चिकित्सालयों में एक साथ स्वास्थ्य विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। भोपाल के सोनागिरी औषधालय, देवास अस्पताल, पीथमपुर औषधालय, मंडीदीप और अमलाई औषधालय में उच्च रक्तचाप और जीवनशैली में बदलाव पर चर्चा की गई। भोपाल केंद्र पर मुँह के कैंसर, मंदसौर और बुरहानपुर में मधुमेह, बिरलाग्राम नागदा में मधुमेह की बीमारी पर जानकारी दी गई।

लखनऊ और पाटलिपुत्र के लिए सीधी ट्रेन

भोपाल ,एजेंसी। भोपाल से पाटलिपुत्र और भोपाल- लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के लिए अगस्त में रैक मिल सकते हैं। रैक आने के बाद 10 से 15 दिन के ट्रायल रन के बाद सितंबर के अंतिम या अक्टूबर के पहले हफ्ते यह ट्रेन शुरू की जा सकती है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के मुताबिक प्रारंभिक तौर पर कोच के अलॉटमेंट कर दिए गए हैं। आगे की प्रक्रिया के लिए रेल मंत्रालय के आदेश का इंतजार है। भोपाल से पटना के लिए आमतौर पर साप्ताहिक छोड़कर अन्य कोई ट्रेन नियमित तौर पर नहीं चलती। इसी तरह भोपाल से लखनऊ के लिए चलने वाली भोपाल-लखनऊ- प्रतापगढ़ सप्ताह में तीन दिन ही है। इन दोनों ही स्थानों के लिए स्लीपर श्रेणी में 50 से 100 के बीच वेटिंग अक्सर रहती है। इसी तरह एसी 3 श्रेणी में भी वेटिंग के हालात बने रहते हैं। इन्हें देखते हुए रेल मंत्रालय ने करीब 3 साल पहले भोपाल से पाटलिपुत्र और लखनऊ के लिए वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। बताया जाता है कि सिटिंग श्रेणी की ट्रेन बेंगलुरू में बनाई जाती है। जबकि, स्लीपर श्रेणी की गाड़ी के कोच चेन्नई में बना रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सभी विभाग ए ग्रेड में रहना सुनिश्चित करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों सहित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि चालू माह में जारी होने वाली सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सभी विभाग ए ग्रेड में रहना सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समाधानपूर्वक निराकरण करते हुए पचास दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिये। प्रसूति सहायता की राशि न मिलने अथवा कम मिलने की शिकायतों में समाधानकारक जबाव न दिये जाने पर अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल को नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की शिकायतों के प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये ताकि रैंकिंग में सुधार हो।

बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावितों को एक सप्ताह में राहत राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने सेप्टिक टैंक व खुले बोरबेल में जल भराव न होने के लिये निर्देशित किया तथा मुनादी कराकर इन्हें बंद रखने के निर्देश दिये। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में क्लोरीन का छिड़काव किये जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न होने पर आगामी आदेश तक तहसीलदारों का वेतन आहरण रोके जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा बैठक में दिये गये। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अन्तर्गत प्रतिदिवस किये जाने वाले वृक्षारोपण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों के भ्रमण के उपरांत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दिये बैठक में दिये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हिलौंधा डूब हादसे में पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने जताया शोक

पीड़ितों को 20-20 लाख मुआवजे की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रैगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हिलौंधा में धान रोपाई के दौरान बोर में फंसकर सोमवती साकेत और दुर्गा साकेत की डूबने से हुई मौत पर पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया। श्रीमती वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर रात में अधिकारियों और एनडीआरएफ की टीम के साथ मिलकर शवों को पानी से निकालने में सहयोग किया। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। श्रीमती वर्मा ने पीड़ित परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है।

परीक्षा पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आगामी 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रूपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र शा. ज्ञानोदय विद्यालय अनुसूचित जाति कल्याण विभाग परिसर से प्राप्त की जा सकती हैं। जानकारी प्राप्त करने के लिए फोन नंबर 07662-299221 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

लगातार हो रही बारिश के चलते पुल और रपटों में लगाए गए बैरियर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 11 जुलाई को लगातार भारी वर्षा के कारण कई पुल, रपटे और पुलिया जलमग्न हो गए। इनमें किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नितिन पटेल ने बताया कि रीवा-गड्डी रोड में 15वें किलोमीटर में धोबी नाला में अधिक पानी आने पर आवागमन को रोकने के लिए दोनों ओर बैरियर लगाया गया है। गोविंदगढ़ से टीकर होकर लक्ष्मणपुर जाने वाली सड़क में बिछिया नदी के रपटे पर छिरहटा गांव में भी दोनों ओर ड्राप गेट बनाए गए हैं। जिले की अन्य सड़कों में भी इसी तरह छोटे पुलों और रपटों में जल भराव होने पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोकने की व्यवस्था की जा रही है।

क्षेत्र में भ्रमण कर निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। क्षेत्र में भ्रमण करके निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग करके उसे तय समय सीमा में पूरा कराएं। निर्माण कार्य में भू अर्जन अथवा अन्य किसी तरह की बाधा को समन्वय बनाकर तत्काल दूर करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गत तीन दिनों में भारी वर्षा हुई है। जिन सड़कों में पुल और रपटे जलमग्न हो जाते हैं उनमें तत्काल बैरियर लगाकर कर्मचारी तैनात करें। पुल में पानी आने पर दोनों ओर से आवागमन बंद कराएं। अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे करके इनमें सुधार का कार्य शुरू करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि निर्माण कार्य में यदि भू अर्जन की आवश्यकता है तो कार्य स्वीकृत होते ही भू अर्जन की कार्यवाही शुरू कर दें। निर्माण एजेंसी को वर्क आर्डर जारी करने के साथ ही कार्य के लिए आवश्यक भूमि भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। भू अर्जन के संबंध में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित टीएल बैठक में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं। नागौद, परसमनिया, मैहर मार्ग निर्माण के लिए वन विभाग से समन्वय बनाकर कार्य पूरा कराएं। सीतापुर से बदवार मांग में शेष बचे चार किलोमीटर का कार्य एक माह में पूरा करें। रीवा-प्रयागराज मार्ग में सोहागी घाट में सड़क में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। सभी फोरलेन सड़कों में डिवाइडर में पौधे रोपित कराएं। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी उचित प्रबंध करें। विभागीय मद से 243 सड़कों का संभाग के विभिन्न जिलों में निर्माण किया जा रहा है। इनमें से अभी केवल 39 सड़कों का कार्य पूरा हुआ है। शेष 165 प्रगतिरत सड़कों का कार्य समय पर पूरा कराएं।

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम राइज स्कूल रामपुर बघेलान, उंचेहरा तथा मझगवां में समस्त औपचारिकताएं पूरी करके निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं। निर्माण कार्यों में जमीन के संबंध में किसी भी तरह की कठिनाई होने पर कलेक्टर को अवगत कराएं। मैहर जिले में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 39 शासकीय आवास मंजूर हुए हैं। इनका निर्माण कार्य तत्काल शुरू करें। छात्रावास भवन के लिए भी उपयुक्त स्थल तय करके निर्माण कार्य शुरू कराएं। मैहर में ही सर्किट हाउस में अतिरिक्त कक्ष और रामगढ़ के शासकीय स्कूल भवन के निर्माण की बाधाएं दूर करके उनका कार्य शुरू करें। बैठक में रीवा बायपास के उन्नयन, सीधी-सिंगरौली हाईवे के निर्माण, मऊगंज में शासकीय आवास निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता आरके वर्मा ने सड़कों तथा अन्य निर्माण कार्यों की जिलेवार जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग एसपी तिवारी, महाप्रबंधक एमपीआरडीसी विनोद तंतुवाय, कार्यपालन यंत्री नितिन पटेल, कार्यपालन यंत्री सेतु बीएस त्रिपाठी तथा सीधी, सिंगरौली, सतना जिलों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद 15 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई ऑफिस व्यवस्था, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

उमराह करने के लिए मक्का मदीना जत्था रवाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इस्लाम के पांच बुनियादी अरकानों में पूरी उम्र मे एक बार हज करना उन लोगों पर फर्ज है जो मक्का-मदीना जाने की हैसियत रखते हैं, हज मे अधिक लागत आने के कारण सब लोग हज पर नहीं जा पाते, वह उमराह करने के लिये मक्का-मदीना जाते हैं। उमराह पूरे साल मे कभी भी किया जा सकता है, लेकिन हज के दौरान पॉच दिन यानी जिलहिज्जा के 9, 10, 11, 12 व 13 तारीख को उमराह नही होता। मदरसा इस्लामिया बिछिया के सदर वाइज खान कादरी ने बताया कि अल्लाह की इबादत करने और अपने गुनाहों की माफी मांगने काबा शरीफ और इस्लाम के आखिरी नबी मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के रौज़ा-ए-मुबारक, मस्जिद-ए-नबबी वगैरह की जियारत करने के लिये लोग मक्का-मदीना उमराह करने के लिये जाते हैं, उमराह एक नफली इबादत है, इसी कड़ी मे आज बिछिया मोहल्ले से मोहम्मद याकूब खान, अब्दुल वाहिद खान, सरवर खान, समीलुन निशा, फातमा खान, परवीन खान, बसीरन बी व कई अन्य लोग रेल मार्ग से मुम्बई के लिए रवाना हुये, जहां से जेद्दा के लिये फ्लाइट से रवाना होगी। उमराह मे जाने से पहले इन लोगों का इस्तकबाल कादरी वेलवेयर सोसायटी एवं उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी के द्वारा हज़रत दाराशाह कैम्पस बिछिया मे शाल व फूल माला पहनाकर किया गया। इस्तकबाल करने वालों मे मुख्य रूप से जामा मस्जिद के पेशइमाम आलिम आसिम खान, हाजी मो0 मुजीब, तहकीकुद्दीन, हाजी शफीक खान, हाजी दिलेर खान, मुजाबर जाबिर खान, मो0 शुऐब खान, वाइज खान कादरी, वाशिद खान कादरी, अयूब खान, रियाज खान, जहीरूद्दीन, फरीजुद्दीन, तारिफ खान जानी, साबित खान, हामिद खान, शमीम खान, मोहसिन खान, साहिद खान, जिब्राइल खान, अजहरूद्दन अज्जू, एजाज खान, मसूद खान लल्ला, महफूज खान, इकबाल खान बब्लू, साबिर अशरफी, सईद कादरी, हरीश खान, जमीरूद्दन, हसीब खान राज, शहबाज खान आदि लोगों ने इस्तकबाल किया।

अतिथि व्याख्याताओं से 25 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र रीवा में प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याखाताओं से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र में अनुसूचित जाति तथा जनजाति के अभ्यर्थियों को राज्य सिविल सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी तथा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए योग्य एवं अनुभवी व्याख्याताओं से आगामी 25 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक आवेदक अपने आवेदन पत्र शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र केन्द्र के ईमेल पीईटीसीआईडब्ल्यूए एट द रेट जीमेल डॉट कॉम अथवा रजिस्टर्ड डाक से भी भेजा जा सकता है। प्राचार्य ने बताया कि आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में अध्यापन किए जाने विषय एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षा का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। आवेदक संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हो अथवा किसी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहाँ से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय का सदस्य रहा हो। अतिथि व्याख्याताओं के चयन के लिए गठित समिति द्वारा व्याख्याताओं का पैनल तैयार किया जाएगा। अतिथि व्याख्याताओं को समय-समय पर आयोजित होने प्रशिक्षण में उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में प्रतिकालखण्ड के लिए 800 रुपए मानदेय निर्धारित है। एक कालखण्ड कम से कम 90 मिनट का होगा। प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशानुसार केन्द्र में गठित समिति द्वारा किया जाएगा जिसका निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण 16 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कपिध्वज सिंह बनाम नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा प्रदाय अनुमति के अनुपालन में अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर स्थित ईव्हीएम वेयर हाउस में 16 जुलाई को शाम 5 बजे किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निस्तारण के दौरान आवेदक, अनावेदक सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

केन्द्रीय जेल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केन्द्रीय जेल में बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए चर्म रोग से संबंधित बीमारियों के बचाव एवं निदान हेतु श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के चर्मरोग विभाग के 10 सदस्यीय चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर 134 पुरूष बंदी, 20 महिला बंदी सहित कुल 154 बंदियों को चर्मरोग से संबंधित उपचार प्रदान किया गया।

अदाणी सीमेंट ने डीएवी एसीसी पब्लिक स्कूल के नए भवन का उद्घाटन किया

मीडिया ऑडीटर, क्यमोर (निप्र)। क्यमोर में अदाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय के सीईओ विनोद बाहेती ने डीएवी एसीसी पब्लिक स्कूल के नए भवन और हेरिटेज विंग 'कल्पशिला' का उद्घाटन किया। अदाणी फाउंडेशन के समर्थन से यह पहल समग्र शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम में पारंपरिक तिलक समारोह, मध्य प्रदेश के लोक नृत्य, और द्रोणाचार्य-एकलव्य की कहानी पर आधारित प्रदर्शन हुआ। अतिथियों ने 'कल्पशिला' में संगीत, कला और खेल कक्षों का दौरा किया। पौधारोपण समारोह और नवनिर्मित भवन, जिसमें आधुनिक कक्षाएं, शिक्षक संसाधन केंद्र और सम्मेलन कक्ष शामिल हैं, का अवलोकन भी किया गया। अतिथियों ने दिशा केंद्र में एआई-आधारित ग्रामीण केपीओ, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन और अदाणी कौशल विकास केंद्र का दौरा किया, जहां स्थानीय महिलाओं और युवाओं की उपलब्धियों को देखा। यह आयोजन शिक्षा, संस्कृति और स्थिरता के प्रति अदाणी समूह की प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।

स्ट्रांग रूम खोला जायेगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कपिध्वज सिंह विरूद्ध नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के परिपेक्ष्य में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ की निर्वाचन याचिका में अवरूद्ध ईव्हीएम के निस्तारण हेतु विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ का स्ट्रांग रूम खोलने की अनुमति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई है।

न्यायाधीशगणों द्वारा किया गया बालकों को जागरूक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश सुधीर सिह राठौड व डॉ. अंजली पारे तथा न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में आदर्श उ.मा.वि. में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि सुधीर सिंह राठौड ने अपने उद्बोधन में बालकों को सकारात्मक जीवन शैली अपनाने, उनके मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी। डॉ. अंजली पारे ने बच्चों को गुडटच एवं बैडटच के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं समीर कुमार मिश्र ने कहा कि अपने मन को भटकाव से बचाना है और ऐसा कार्य करना है जिससे हमारा परिवार हमारा समाज गौरवान्वित हो। उन्होने बालकों के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे बताया।

लीगल एड. डिफेस के असिस्टेट अनीश कुमार पाण्डेय ने विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। स्वागत उद्बोधन अधिवक्ता सुनील अग्रवाल द्वारा दिया गया। संचालन श्रुति पाण्डेय तथा आभार विद्यालय के डायरेक्टर सुभ्राशु पयासी द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज पाण्डेय एवं सचिन गुप्ता सहित समस्त शिक्षकगण व छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

विचार

देश और समाज के लिए तन, मन, धन समर्पित करने की मिसाल हैं सी. सदानंदन मास्टर

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मामले में विशेष लोक अभियोजक रहे उज्ज्वल निकम, केरल से भारतीय जनता पार्टी के नेता सी सदानंदन मास्टर और इतिहासकार मीनाक्षी जैन को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। इन चार नामों में से आपके लिए सी. सदानंदन मास्टर का नाम भले जाना-पहचाना नहीं हो लेकिन उनके सामाजिक कार्य उनकी पहचान हैं। साथ ही उनका जीवन अन्याय के आगे नहीं झुकने की भावना का प्रतीक भी है। वामपंथी हिंसा और धमकी के आगे नहीं झुक कर राष्ट्र के विकास के प्रति अपने जज्बे को बरकरार रखने वाले सी. सदानंदन मास्टर पूरे देश के लिए बड़ी प्रेरणा हैं।

हम आपको बता दें कि केरल के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में जिन व्यक्तित्वों ने जनता के बीच संगठन, चेतना और संघर्ष की लौ जगाई, उनमें सी. सदानंदन मास्टर का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल एक शिक्षक नहीं हैं, बल्कि जीवनपर्यंत एक ऐसे संगठक, विचारक और मार्गदर्शक रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों के माध्यम से केरल में राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूती दी। उनका जीवन संघर्ष, तपस्या और आदर्शों के लिए समर्पित था, और आज भी वे केरल के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

सी. सदानंदन मास्टर का जन्म केरल के कन्नूर जिले के एक साधारण परिवार में हुआ। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत संयमी, मेहनती और अनुशासनप्रिय थे। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि प्रारंभ से ही गहरी थी। उन्होंने शिक्षक के रूप में अपने कॅरियर की शुरुआत की और बहुत जल्द गांव-समाज में एक आदर्श गुरु के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सदानंदन मास्टर का जीवन तब मोड़ लेता है, जब वे युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) के संपर्क में आते हैं। संघ के %एकात्म मानववाद%, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीयता के विचार ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। शिक्षक के दायित्व के साथ-साथ वे धीरे-धीरे संगठनात्मक कार्यों में भी सक्रिय हो गए। उनका घर और स्कूल ही संघ की गतिविधियों का केंद्र बन गया था। वे विद्यालयों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा को प्राथमिकता देते थे।

हम आपको बता दें कि केरल के कन्नूर और आसपास के क्षेत्र वामपंथी राजनीतिक हिंसा के लिए कुख्यात रहे हैं। 1994 में सी. सदानंदन मास्टर पर एक क्रूर और अमानवीय हमला हुआ। मार्क्सवादी विचारधारा से जुड़े हिंसक कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट डाले थे। यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विचारधारा, शिक्षा और संगठन के प्रति समर्पण पर हमला था। लेकिन सदानंदन मास्टर ने इस हिंसा के आगे कभी घुटने नहीं टेके। उन्होंने उस घटना को अपने जीवन का अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत माना। उन्होंने स्वयं कहा था कि मेरे पैर काट दिए, लेकिन मेरे विचार और हौसले कोई नहीं काट सकता।

हम आपको बता दें कि इस घटना के बाद वे पूरे केरल और देशभर में %साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक% के रूप में पहचाने जाने लगे। वे पूरी ताकत के साथ संगठन के कार्यों में जुट गए थे। उन्होंने शारीरिक अपंगता को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने हजारों युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पण, सेवा और संगठन के मार्ग पर चलाया। वामपंथी हिंसा से त्रस्त केरल के लोगों में उनके प्रति विशेष सम्मान और श्रद्धा पैदा हुई। वे अनेक युवाओं के लिए जीते-जागते आदर्श बन गए कि किस तरह विचार और ध्येय के लिए तन, मन, जीवन सब कुछ समर्पित किया जाता है।

हम आपको बता दें कि सदानंदन मास्टर ने संघ और उससे जुड़े संगठनों में संगठनकर्ता, प्रेरक वक्ता और मार्गदर्शक के रूप में वर्षों तक कार्य किया। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सेवा भारती, विद्या भारती और भाजपा में सक्रिय रहे हैं। वे सदैव युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं कि शिक्षा केवल नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए होनी चाहिए। उनकी वाणी में इतना प्रेरक तेज और सच्चाई होती है कि श्रोता स्वत: उनके विचारों से जुड़ जाते हैं।

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था विीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के विपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है।

रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्ज़र्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। 'ग़ज़्वा-ए-हिंद' जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी ज़मीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें 'हाई रिस्क जॉन' की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजैक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए। डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज़ किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है।

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग

संतोष कुमार पाठक

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान- स्ढ्ढक्र के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं

किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही स्ढ्ढक्रपर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ-साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता।

कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ित है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

बेटियों की सशक्त भविष्य के लिए पहला कैरियर काउंसलिंग सत्र का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत आज ''विश्व युवा कौशल दिवस'' के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ में एक प्रेरणादायी कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को कौशल, शिक्षा, और आत्मनिर्भरता के प्रति मार्गदर्शन देकर उनके उज्जवल भविष्य की दिशा सुनिश्चित करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की समस्त छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल, आत्मनिर्भरता एवं कैरियर से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना था। बालिकाओं को यह बताया गया कि जीवन में सही समय पर लिया गया निर्णय ही उन्हें सफलता की ओर ले जा सकता है, इसलिए उन्हें अभी से लक्ष्य निर्धारण और उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने भविष्य को सुरक्षित एवं सशक्त बनाना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आर.के. खाती, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बेटियों से कहा कि आज का युग बेटियों का है, और वे अगर चाहें तो हर क्षेत्र में अपना मुकाम हासिल कर सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना वैष्णव ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है जिससे बेटियाँ अपने जीवन में हर चुनौती का सामना कर सकती हैं। उन्होंने विद्यालय की ओर से हर संभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण मिशन शक्ति (हब) से जुड़ी जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा, जेंडर विशेषज्ञ सुश्री शैलजा गुप्ता तथा वित्तीय साक्षरता समन्वयक अनीता कुमारी साह ने भी छात्राओं को आत्मविश्वास, लैंगिक समानता, वित्तीय जागरूकता, और स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रेरणास्पद संवाद किए। उन्होंने छात्राओं को बताया कि मिशन शक्ति के माध्यम से किस प्रकार उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सहायता दी जा रही है, जिससे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने भी अपने कैरियर से जुड़ी जिज्ञासाएँ साझा कीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

एग्रीस्टैक के माध्यम से नवीन पंजीयन 31 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी धान खरीदी सीजन 2025-26 के लिए राज्य शासन ने भारत सरकार के एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के अंतर्गत किसान पंजीयन को अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत प्रदेश भर में किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत किया जाएगा, जिससे कि उन्हें समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा मिल सके। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिले के सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को निर्देशित किया गया है कि वे एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किसानों का नवीन पंजीयन एवं फसल रकबे का संशोधन कार्य प्राथमिकता के आधार पर संपादित करें। एग्रीस्टैक के माध्यम से किया गया पंजीयन ई-केवाईसी युक्त होता है, जिससे दोहराव की संभावना समाप्त हो जाती है और किसानों की वास्तविक पहचान सुनिश्चित होती है। राज्य शासन द्वारा यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि कृषकों को शासकीय योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। धान खरीदी के लिए राज्य शासन के द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल विकसित किया गया है, जिसमें पंजीयन की प्रक्रिया प्रतिवर्ष 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक संचालित की जाती है। इस वर्ष भी खरीफ सीजन से लिए यह प्रक्रिया निर्धारित अवधि में पूर्ण की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस बार कृषक पंजीयन हेतु खाद्य विभाग, राजस्व विभाग और कृषि विभाग के बीच इंटर डिपार्टमेंटल समन्वय को सुदृढ़ किया गया है। खाद्य विभाग द्वारा धान खरीदी पोर्टल पर किसानों का डाटा एग्रीस्टैक की फार्मर रजिस्ट्री से एपीआई के माध्यम से लिया जाएगा, जो पूरी तरह से ई-केवाईसी आधारित होगा। इसी के साथ राजस्व विभाग द्वारा संधारित भूइयों पोर्टल में दर्ज किसानों की भूमि जानकारी और गिरदावरी रिकॉर्ड को भी आधार सीडिंग के माध्यम से एकीकृत किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे कृषकों के एग्रीस्टैक एवं धान खरीदी पंजीयन और आधार सीडिंग के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय-सीमा में पूर्ण करें, जिससे जिले के सभी पात्र किसान समय पर पंजीकृत होकर समर्थन मूल्य पर धान विक्रय कर सके।

जिले में अब तक 354.4 मि.मी. वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मानसून ने जोर पकड़ लिया है और लगातार हो रही बारिश से खेतों में हरियाली की उम्मीदें प्रबल हो गई हैं। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में जिले में औसत 0.0 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जबकि भरतपुर तहसील में अब तक की सर्वाधिक 451.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 13 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसत 354.4 मि.मी. वर्षा भू-अभिलेख शाखा द्वारा दर्ज की गई है, जो खरीफ फसलों की बोआई के लिए अनुकूल मानी जा रही है। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की बात करें तो मनेंद्रगढ़ में 307.5 मि.मी., खड़गवां में 319.2 मि.मी., चिरमिरी में 345.2 मि.मी., केल्हारी में 277.7 मि.मी., भरतपुर में 451.7 मि.मी. और कोटाडोल में 425.1 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है ।

जिले में निजी उर्वकर प्रतिष्ठानों की जाँच, अनियमिता पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में कृषकों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 10 जुलाई 2025 को कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम द्वारा विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के विभिन्न निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान राधिका कृषि सेवा केन्द्र मनेन्द्रगढ़ एवं नारायण अग्रवाल बरबसपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन प्रतिष्ठानों में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। रेट लिस्ट चस्पा नहीं की गई थी। दस्तावेज का संधारण नही करने के कारण दोनों प्रतिष्ठानों को अनियमितताओं के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनेन्द्रगढ़ धर्मेन्द्र कुमार कुर्रे, उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रवि कुमार गुप्ता, अगमदास बंजारा बी.टी.एम. एवं क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषक अधिसूचित फसलों की बीमा अवश्य करायें

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कृषकों तथा उनकी फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से राहत दिलाने हेतु प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। कृषक अपना फसल बीमा वर्ष 2025-26 हेतु 31 जुलाई 2025 तक सीएससी सेंटर, प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति तथा कृषि विभाग में कार्यरत ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से करा सकेंगे। इस योजना के तहत सभी अऋणी एवं ऋणी किसानों को फसल बीमा कराने हेतु एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। बिना पंजीयन नम्बर के कृषक फसल बीमा से वंछित हो सकते हैं। इस योजना के तहत अधिसूचित फसलों धान, उड़द, अरहर तथा मक्का आदि फसलों का फसल बीमा कराया जा सकता है। इस योजना अंतर्गत ऋण एवं अऋणी कृषक जो भूधारक व बटाईदार सम्मिलित हो सकते हैं। जो किसान अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत नवीनीकृत की गई हो अनिवार्य रूप से सम्मिलित होंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत जोखिमों में बीमा आवरण उपलब्ध होगा, बाधित बुआई, रोपण जोखिम, बीमित क्षेत्र में कम वर्षा, प्रतिकूल मौसमी दशाओं के कारण बुआई रोपण क्रिया न होने वाली हानि से सुरक्षा प्रदान करेगा। फसल कटाई के उपरांत होने वाली नुकसान अधिसूचित फसलों के कटाई उपरांत सुखने के लिए खेत में छोड़ी गई फसल को चक्रवात, चक्रवाती वर्षा, बेमौसमी वर्षा से होने वाली नुकसानों के लिए फसल बीमा एक कवच की तरह कृषकों को राहत दिलाने का कार्य करता है। खरीफ 2025 में समस्त अधिसूचित फसलों के लिए प्रीमियम दर कुल बीमित राशि की 2 प्रतिशत है, जो ऋणी एवं अऋणी कृषकों के लिए सामान होगी। कृषकों की धान असिंचित हेतु प्रीमियम राशि 800 रू. प्रति हेक्टेयर, धान सिंचित हेतु प्रीमियम राशि 1000 रु. प्रति हेक्टयर, उड़द हेतु 440 रु. प्रति हेक्टेयर, अरहर हेतु 600 रू. प्रति हेक्टेयर, मूंगफली हेतु 840 रू. प्रति हेक्टेयर, मक्का हेतु 740 रु. प्रति हेक्टेयर, मूंग हेतु 440 रू. प्रति हेक्टेयर, कोदो हेतु 320 रू. प्रति हेक्टेयर तथा कुटकी हेतु 340 रु. प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया है।

ग्राम जुईली में हैंडपंप की मरम्मत और क्लोरीनेशन कार्य संपन्न

बच्चों को स्वच्छ जल के प्रति किया गया जागरूक, ग्रामीणों ने की पीएचई विभाग की सराहना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम जुईली में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों की शुद्धता और मरम्मत को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की गई। गांव में स्थित स्कूल परिसर के हैंडपंप में पिछले कुछ समय से गंदे पानी की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विभागीय तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर हैंडपंप की मरम्मत एवं जल स्रोत का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। मरम्मत कार्य के तहत तकनीकी खराबियों को दूर किया गया और जल को कीटाणु रहित बनाने के लिए क्लोरीन मिश्रण के माध्यम से शुद्धीकरण किया गया। इस पहल से न केवल विद्यालय परिसर में अध्ययनरत बच्चों को स्वच्छ जल सुलभ हुआ, बल्कि समस्त ग्रामीणों को भी शुद्ध और सुरक्षित पेयजल प्राप्त होने लगा है। कार्य के दौरान विभागीय कर्मचारियों के साथ स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति एवं सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा। विभाग के अधिकारियों ने इस अवसर पर बच्चों और ग्रामीणों को स्वच्छ जल के महत्व, जल जनित बीमारियों से बचाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में भी जानकारी दी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में भी गांवों में इस प्रकार के नियमित निरीक्षण और सुधार कार्य जारी रहेंगे, ताकि प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके। ग्रामवासियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की इस पहल की खुले दिल से सराहना की और कहा कि यह प्रयास ग्रामीणों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएगा। बच्चों ने भी स्वच्छ जल का महत्व समझते हुए इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

रायपुर में पकड़ाए 10 अवैध बांग्लादेशी वापस भेजे जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर **(निप्र)।** छत्तीसगढ़ के रायपुर के टिकरापारा में पकड़े गए 10 अवैध बांग्लादेशियों को वापस उनके देश भेजने की केंद्र से मंजूरी मिल गई है। रायपुर पुलिस सभी अवैध प्रवासियों को बांग्लादेश बॉर्डर में बीएसएफ को सौंपेगी, जहां से बीएसएफ के जवान उन्हें उनके घर भेजेगी।मिली जानकारी के मुताबिक सभी बांग्लादेशियों को ट्रेन से हावड़ा ले जाया जाएगा, फिर वहां से असम में बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। 16-20 जुलाई के बीच इन्हें भेजने की तैयारी है। हालांकि अधिकारी सुरक्षा को देखते हुए इन्हें ट्रेन के अलावा बाई रोड भी ले जाने पर विचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंध में सरकार स्तर पर फैसला लिया जाएगा। रायपुर के अलावा दुर्ग, राजनांदगांव और रायगढ़ से भी बांग्लादेशियों को भेजने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ में बांग्लादेशियों के खिलाफ पहली बार ऐसी कार्रवाई हो रही है।

मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगी जली

तिरुवल्लूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं। जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाड़ियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं।

कुलगाम में 3 बसें टकराईं, 10 घायल

पहलगाम (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के काफिले की बसें वैष्णो देवी जा रही थीं, जब कुलगाम में हादसे का शिकार हो गईं। अमरनाथ यात्रियों के काफिले की 3 बसों की रविवार को कुलगाम में आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकार ने बताया कि बालटाल की ओर जा रहे काफिले की तीन बसों की ताचलू क्रॉसिंग के पास एक्सीडेंट हुआ है। इधर, अमरनाथ यात्रा के 10वें दिन 19,020 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। अब तक 1.83 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यह 9 अगस्त तक चलेगी। इस बीच रविवार सुबह 7,049 यात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से भगवती नगर बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। इसमें 1,423 महिलाएं, 31 बच्चे और 136 साधु-साध्वियां शामिल हैं। यात्रा के पहले दिन गुरुवार को 12,348 , शुक्रवार को 14,515, शनिवार को 21,109, रविवार को 21,512 तीर्थयात्री, सोमवार को 23,857 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे थे। अब तक चार लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने पीटा

पालघर। ऑटो ड्राइवर को मराठी नहीं बोलने का वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने उसे पीटा। महाराष्ट्र के पालघर में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने एक ऑटो ड्राइवर की पिटाई कर दी। दरअसल, ऑटो ड्राइवर का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह चिल्लाते हुए कह रहा है कि हिंदी और भोजपुरी में बोलूंगा, क्या करोगे। मैं मराठी नहीं बोलता। इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने ऑटो ड्राइवर को पकड़ा और कान पकड़कर मराठी में माफी मंगवाई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला। इसमें ड्राइवर हाथ जोड़कर कहता है कि गलती हो गई, अब मराठी में बोलूंगा। इस दौरान उसे कई थप्पड़ मारे जाते हैं। साथ ही क्षत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारे भी लगाए। शिवसेना विरार शहर प्रमुख उदय जाधव ने कहा, जो कोई भी मराठी भाषा, महाराष्ट्र या मराठी मानुष का अपमान करेगा, उसे सच्ची शिवसेना की शैली में जवाब मिलेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ड्राइवर को उसकी हिम्मत के लिए सबक सिखाया गया और उससे लोगों और राज्य से माफी मंगवाई गई। पुलिस ने रविवार को कहा- हमने मामले का वीडियो देखा है, लेकिन अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। इसलिए अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। वीडियो की जांच कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश फिर होगा गौरवान्वित

भोपाल ,एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार में मध्यप्रदेश एक बार फिर से गौरवान्वित होगा। उन्होंने बताया कि आगामी 17 जुलाई को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया जाएगा।

गुणवत्ता के साथ समयसीमा में हों कार्य

भोपाल ,एजेंसी। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार, सागर में लोक निर्माण विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सागर संभाग में संचालित 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले सड़क, पुल और भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माणाधीन कार्य निर्धारित समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना के अनुरूप जनहित को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्यों का क्रियान्वयन किया जाए। समीक्षा बैठक में 48 निर्माण कार्यों पर चर्चा हुई, जिनमें 7 सड़क निर्माण, 25 भवन निर्माण, 10 पुल निर्माण, 5 राष्ट्रीय राजमार्ग एवं 1 राज्य राजमार्ग से संबंधित कार्य सम्मिलित थे। मंत्री श्री सिंह ने विलंबित कार्यों की प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए उनकी साप्ताहिक मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। प्रत्येक कार्य की समय-सीमा तय कर उसकी सतत समीक्षा करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई कार्यों की समय-सीमा बढ़ाने के बावजूद भी उनके समय पर पूर्ण होने की संभावना कम है। इस पर मंत्री श्री सिंह ने प्रमुख अभियंता को निर्देशित किया कि ऐसे सभी प्रकरणों की गहन समीक्षा कर रिवाइज्ड वर्कप्लान बनवाया जाए और निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण किया जाए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की आधारभूत संरचना निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसकी जिम्मेदारी है कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता और गति के साथ पूरे किए जाएं, जिससे जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक से पूर्व मंत्री राकेश सिंह ने सागर में दो बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण में एक मीटर व्यास का पेड़ शिफ्ट किया जाएगा, उसे काटा नहीं जाएगा। लोक निर्माण विभाग लोक कल्याण सरोवर बनाने का कार्य करेगा। सड़कों के गड्ढे की शिकायत एक सप्ताह में दूर की जाएगी, नहीं तो

संबंधित अधिकारी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सागर का विकास और तेज गति से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि लोक कल्याण के लिए मध्य प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कार्य कर रही है और सभी का समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि विभाग के द्वारा सभी सड़कों का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। नई सड़कों के लिए गिट्टी-मुरम की खुदाई कलेक्टर की विशेष अनुमति से ही की जाएगी और ऐसी खुदाई की जाएगी जिससे लोक कल्याण सरोवर तैयार हो सके। इस प्रकार के सरोवर तालाब के रूप में कार्य करेंगे।

इसके अलावा, विभाग द्वारा सभी सड़कों की एक किलोमीटर की दूरी पर रिचार्ज बोर बनाए जाएंगे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पहले भारत को पिछड़ा देश माना जाता था, किंतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के कार्यकाल में देश अब विकसित देशों की श्रेणी में आ गया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का विकास भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में निरंतर हो रहा है। यदि देश का विकास देखना हो तो मध्य प्रदेश में जाकर देखा जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले जब वे सागर आते थे तो केवल घटिया और विश्वविद्यालय दिखते थे, किंतु अब लाखा बंजारा झील अपने सौंदर्य के साथ दिखाई देती है और सागर की सड़कें भी नए रूप में बदल चुकी हैं।

शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा सम्मान

भोपाल ,एजेंसी। केन्द्र सरकार द्वारा शनिवार वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इन सम्मानों में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिये 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक गरिमामय आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू करेंगी।

हर वर्ष की तरह मध्यप्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के आठ शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। इसमें सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों।

इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए

जाएंगे। प्रदेश से इस आयोजन में विभागीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के साथ विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधियों की बड़ी टीम इस आयोजन में शिरकत करेगी।

कोटा में उपराष्ट्रपति बोले- कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक

कोटा (एजेंसी)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के बिल्कुल खिलाफ है। यह कल्चर बहुत ज्यादा खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे की ओर देखने में असमर्थ है। रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा- मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है।

समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा- राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी यहां बैठे हैं। मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा- हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। यह विकास और प्रगति में बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा- विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे, पर हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं। हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है।

हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा- मैं लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है।

भारतीय भाषा में अध्यापन के केंद्र बनेंगे

भोपाल ,एजेंसी। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में शनिवार को, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल के सभाकक्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा शीर्ष समिति की बैठक हुई। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर, अध्यादेश 14(1) एवं अध्यादेश 14(2) के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश के 10 संभागों में समयपूर्वक कार्यशालाओं के आयोजन कर व्यापक रूप से विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों तक लागू अध्यादेशों से अवगत कराने के निर्देश दिए। श्री परमार ने विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रमों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन भी समयपूर्वक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने प्रदेश के समस्त भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारियों को लेकर भी कार्यशाला आयोजित करने को कहा। श्री परमार ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में भारतीय भाषाओं में अध्यापन के लिए कार्ययोजना बनाई जाए और इसे विद्यार्थियों के मूल्यांकन क्रेडिट से भी जोड़ा जाए। श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों को भारतीय भाषा में अध्यापन का केंद्र बनाने के लिए कार्य करें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि ज्ञान बोध प्रतियोगिता में पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पारंपरिक विषयों में भारतीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित प्रश्नावली का समावेश करें ताकि विद्यार्थियों को भारतीय दृष्टि के साथ समाज में विद्यमान परंपरागत ज्ञान के अध्ययन एवं शोध का अवसर मिले।

विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल ,एजेंसी। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि विकास सतत प्रक्रिया है, जो समय और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर चलती रहती है। यही कारण है कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड, कॉलोनी और मोहल्ले में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे यहाँ के नागरिकों को बेहतर जीवन, आधारभूत सुविधाएँ और स्वच्छ पर्यावरण मिल सके।

मंत्री श्री सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड-39 के ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि वर्ष 2008 के पहले नरेला विधानसभा में पक्की सड़कों का अभाव था, नालियां नहीं थीं और पीने के पानी के लिए नागरिकों को टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नरेला क्षेत्र की हर सड़क पक्की हो चुकी है। कॉलोनियों का समुचित ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया गया है और नालों का व्यवस्थित चैनलाइजेशन कर जल-भराव की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया गया है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'विकास' ही हमारा ध्येय है। चाहे वह सड़क हो, सीवेज हो, जल-प्रबंधन हो या सामुदायिक सुविधाएँ, हर क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, वरिष्ठजन, समाजसेवी एवं पार्षद उपस्थित रहे।

मनरेगा का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

भोपाल ,एजेंसी। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 313 जनपद पंचायत के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, 52 जिलों परियोजना अधिकारी मनरेगा एवं ग्रामीण आजीविका के डीपीएम शामिल हुए। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार, विकास भवन अरेरा हिल्स, भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयुक्त मनरेगा-संचालक वाटर शेड मिशन श्री अवि प्रसाद एवं आयुक्त एसआरएलएम श्रीमती हर्षिका सिंह ने अधिकारियों को एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के बारे में जानकारी दी और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी एवं डीपीएम एसआरएलएम को संयुक्त रूप से पारदर्शिता के साथ एक बगिया मां के नाम परियोजना के लिए हितग्राहियों का चयन, परियोजना के उद्देश्य और लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और उनके सुझाव भी प्राप्त किए गए।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मनरेगा परिषद द्वारा तैयार कराए गए एक बगिया मां के नाम'' प्रोग्राम बैनर का मनरेगा आयुक्त श्री अवि प्रसाद एवं आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह ने विमोचन किया।

एक बगिया मां के नाम परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर अब तक 2100 से अधिक इंजीनियर एवं 600 से अधिक कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री (आरईएस एवं मनरेगा), डीपीएम एसआरएलएम शामिल है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा परियोजना अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) एवं डीपीएम एसआरएल को व्यक्तिगत / फलोद्यान के लिये तैयारी, भूमि चयन, पौधों की प्रजाति चयन, देखभाल, सुरक्षा एवं शतप्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित करते हुए वैज्ञानिक तकनीकियों का उपयोग पर पौधरोपण की बारीकियों पर प्रशिक्षण दिया गया।

सुपोषित मध्यप्रदेश' की दिशा में मजबूत क़दम-मंत्री भूरिया

भोपाल ,एजेंसी। गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश, अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि‚द्धद्धरू भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है।कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में मोटी आई कार्यक्रम और डिण्डौरी जिले में रेवा प्रोजेक्ट जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं। सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के तहत अब तक 11,000 से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं। हेल्पलाइन 181 और 1098 का श्वक्रस्न-112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता नभा की हुई मृत्यु

भोपाल ,एजेंसी। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लायी गयी 8 वर्षीय मादा चीता नभा की मृत्यु हो गई। मादा चीता नभा शिकार के प्रयास के दौरान घायल हुई थी। उसे अन्य चोटों के साथ दोनो बायें, आगे एवं पिछले पैरों में फ्रेक्चर पाया गया। एक सप्ताह से उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई। पीएम रिपोर्ट आने के बाद वस्तु-स्थिति पता लगेगी। क्षेत्र संचालक चीता परियोजना ने बताया कि कूनो में अब 26 चीते हैं। इनमें 9 वयस्क (6 मादा, 3 नर) और 17 भारत में जन्में शावक हैं, सभी स्वस्थ हैं।

मोहम्मद सिराज पर लगा बड़ा जुर्माना

लॉर्ड्स,एजेंसी। लंदन के लॉर्ड्स में इंडिया और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है, लेकिन आखिरी दिन के खेल से कुछ घंटे पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर जुर्माना लगाया है।

सिराज ने एक बड़ी गलती की थी इंग्लैंड के ब्ललेबाज बेन डिकेट को आउट करके। जिसके लिए आईसीसी ने उनपर जुर्माना ठोका है। सिराज की 15 फीसदी मैच फीस काटी जाएगी।

मुंबई इंडियंस ने एमएलसी के रूप में जीता 13वां खिताब, 7 महीने में तीसरी ट्रॉफी जीती

नई दिल्ली ,एजेंसी। पिछले सात महीनों में मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने तीसरा खिताब अपने नाम किया है। दरअसल, टी20 क्रिकेट के इतिहास में मुंबई इंडियंस सबसे सफल फ्रेंचाइजी है। स्ध्रु ने मेजर क्रिकेट लीग के रूप में अपना 13वां टी20 खिताब जीता है। 2023 के बाद मुंबई इस टूर्नामेंट में एक बार फिर कब्जा माने में कामयाब रही। वहीं पिछले सात महीने में उनके टी20 ट्रॉफी की बात करें तो इस फ्रेंचाइजी ने 2025 में सीएलटी 20, डब्ल्यूपीएल और अब एमएलसी के रूप में तीसरा खिताब जीता है।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क की टीम ने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के तूफानी अर्धशतक के दम पर निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 180 रन बोर्ड पर लगाए। डी कॉक ने 77 रनों की अपनी पारी में 6 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के

लगाए। हालांकि, उनके अलावा कोई स्ध्रु का बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा नहीं छू पाया।

इस स्कोर का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की टीम 5 विकेट के नुकसान पर 175 रन ही बना सकी। रचिन रवींद्र ने 70 रनों की बेहतरीन पारी खेली, वहीं ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 48 रन बनाए, लेकिन दोनों ही बल्लेबाज टीम को जीत नहीं दिला पाए। वॉशिंगटन फ्रीडम आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी जबकि क्रीज पर कप्तान ग्लेन मैक्सवेल और ग्लेन फिलिप्स थे। उन्हें इस मैच में 5 रन से हार झेलनी पड़ी।

मुंबई इंडियंस का टी20 ट्रॉफी जीतने का कारवां 2011 चैंपियंस लीग टी20 के रूप में शुरू हुआ था। टीम ने सबसे अधिक 5 बार आईपीएल का खिताब उठाया है, वहीं 2-2 बार ष्टस्न्न20, ड्ढक्क्र और स्स्ष्ट ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़कर हरमनप्रीत कौर बनी नंबर-1

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड में टी20 सीरीज अपने नाम की। भले ही टीम को 12 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए आखिरी टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी लेकिन सीरीज भारत ने 3-2 से जीत ली। इस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई हरमनप्रीत कौर ने की। हालांकि,वे बल्ले से खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गईं बावजूद इसके उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने ये उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए हासिल की। हरमनप्रीत कौर ने कुल 334 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जो कि महिला क्रिकेट में भारत के लिए सबससे ज्यादा है। उन्होंने महान बल्लेबाज मिताली राज का 333 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत अब विश्व की सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (346 मैच) और ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (337 मैच) उनसे ऊपर हैं। 36 साल के हरमनप्रीत ने अब तक 8 शतक और 85 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर 171 रन भी शामिल है जो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा है।

शोएब बशीर की चोट ने इंग्लैंड को दी टेंशन, बल्लेबाजी करने के लिए फिट नहीं

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी के दौरान चोटिल हुए ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की फिटनेस को लेकर इंग्लैंड चिंतित है। बशीर चौथे दिन के खेल से पहले अभ्यास के दौरान चौथी और पांचवीं अंगुली पर भारी पट्टियां बंधे हुए थे, लेकिन ये स्पष्ट नहीं है कि वह बल्लेबाजी के लिए फिट होंगे या नहीं।

चौथे दिन सुबह इंग्लैंड की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, अपनी बाईं अंगुली की चोट के बाद, शोएब बशीर पर नजर रखी जा रही है और उम्मीद है कि वह टेस्ट की चौथी पारी में गेंदबाजी करेंगे। तीसरी पारी में वह बल्लेबाजी करेंगे या

नहीं, इस पर फैसला समय आने पर लिया जाएगा। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में उनकी भागीदारी का आकलन मैच के अंत में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बशीर को ये चोट रवींद्र जडेजा को गेंदबाजी करते हुए उस समय लगी जब जडेजा ने एक शक्तिशाली ड्राइव सीधे उनकी तरफ मारा। तकनीकी रूप से कॉट एंड बोल्ड का मौका होने के बावजूद बशीर के हाथ पर जोरदार चोट लगी। इसके बाद उनका ओवर जो रूट ने ओवर पूरा किया। लोकेश राहुल ने लॉर्ड्स में शतक लगाया, जिससे भारत तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड के पहली पारी के 387 रनों की बराबरी करने में सफल रहा। जडेजा लगातार तीसरा अर्धशतक बनाने के बाद क्रिस वोक्स की गेंद पर लेग साइड में ग्लांस करने की कोशिश में विकेट के पीछे लपके गए। आकाश दीप को मैदान अंपायर द्वारा दिए गए दो एलबीडब्ल्यू फैसलों की डीआरएस की मदद से पटलने में सफल रहे लेकिन एक छक्का लगाने के बाद वह आउट हो गए।

कार्लोस अल्काराज को फाइनल में दी मात

नई दिल्ली ,एजेंसी। दुनिया के नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी ने अपनी उपलब्धियों में विंबललडन का इजाफा कर दिया है। दरअसल, रविवार देर रात चले फाइनल मुकाबले में कार्लोस अल्काराज को हराकर यानिक सिनर ने अपना पहला विंबलडन खिताब जीता है। सेंटर कोर्ट में 3 घंटे और 4 मिनट तक चले इस खिताबी मुकाबले में इटली के इस स्टार खिलाड़ी ने स्पेन के अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। अल्काराज ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सिनर पर बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद वे इसे कामयाब रखने में नाकाम रहे और लगातार तीन सेट सिनर ने जीतकर स्पेनिश खिलाड़ी से फ्रेंच ओपन का बदला ले लिया। अल्काराज, लगातार तीन सालों तक ग्रास-कोर्ट मेजर जीतने वाले 5वें खिलाड़ी बनने का लक्ष्य लेकर चल रहे थे और उन्होंने बेहतरीन शुरूआत की लेकिन जल्द ही उनकी लय डगमगाई और सिनर के हाथों में खिताब चला गया। वहीं इस हार से पहले अल्काराज ने 24 मैचों की जीत का सिलसिला जारी रखा था- इटैलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब चैंपियनशिप में उन्होंने खिताबी जीत हासिल की थी। स्पेनिश खिलाड़ी ने अपनी जीत के इस सिलसिले को विंबलडन सेमीफाइनल तक जारी रखा। फाइनल में उन्हें सिनर के हाथों निराशा झेलनी पड़ी। ये जीत सिनर के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्हें इसके पहले अल्काराज के खिलाफ अपने सभी 5 मुकाबलों में हार झेलनी पड़ी थी। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफ़ेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी।

जडेजा भरोसेमंद बने हुए हैं-कुंबले

मुम्बई ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच रहे अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अब तक भरोसेमंद बने हुए हैं। कुंबले ने जडेजा की बल्लेबाजी में निरंतरता और बढ़ती परिपक्वता की जमकर प्रशंसा की है। कुंबले के अनुसार जिस प्रकार से लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में जडेजा ने बल्लेबाजी कर धैर्य और संयम से 72 रन बनाये उसे उनकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। इसी कारण भारतीय टीम 387 रनों तक पहुंच पायी। , कुंबले ने कहा, उनमें हमेशा से ही कौशल रहा है, यह बात हम सभी लंबे समय से जानते हैं पर बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता बनाने रखना आसान नहीं होता। जडेजा न केवल गेंद से बल्कि बल्लेबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार का योगदान अहम है।

उन्होंने आगे कहा, उनके पास तकनीक है, घरेलू क्रिकेट में उसने दो तिहरे शतक लगाये हैं। जिस तरह से वह अपनी पारी को बढ़ाते हैं वह देखने में शानदार रहा है बिल्कुल एक आम बल्लेबाज की तरह। इससे जडेजा मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। कुंबले ने कहा, उन्हें बल्लेबाजी क्रम में छठे नंबर पर भेजा गया है और उन्होंने निश्चित रूप से अपने पर बनाये भरोसो को बरकरार रखा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए

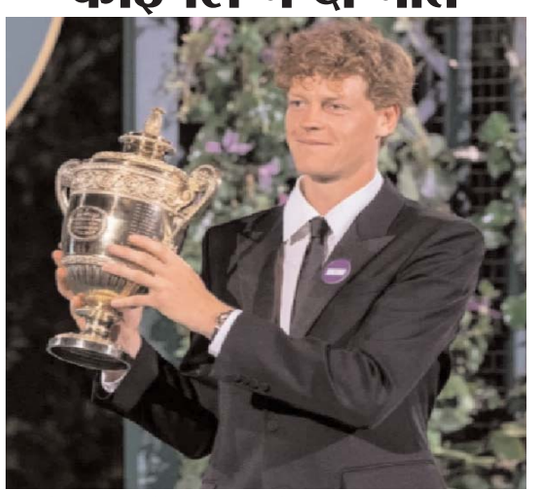

नई दिल्ली ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टीम वेस्टइंडीज दौरे पर गई है, जहां तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस मैच की प्लेइंग 11 ने हर किसी को हैरान कर दिया। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया की टीम से नाथन लियोन को बाहर कर दिया गया है। नाथन पिछले 12 साल से लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, ऐसा नहीं है कि लियोन विकेट नहीं ले रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें बाहर बैठना कुछ और संकेत कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में नाथन लियोन की जगह तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में लिया है। इसके पीछे की बड़ी वजह तीसरे टेस्ट मैच का ग्राउंड है। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच ये डे-नाइ पिंक बॉल मैच सबीना पार्क क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है इस मैदान पर स्पिन के मुकाबले तेज गेदंबाजों को ज्यादा मदद मिलती है। इसी वजह से स्पिनर लियोन की जगह फास्ट बॉलर स्कॉट बोलैंड को शामिल किया गया है। लायन के इस मैच में बाहर होने पर उनके संन्यास को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

नाथन लियोन पिछले 12 सालों से लगातार ऑस्ट्रेलिया की टीम में बने हुए हैं। लियोन एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 से बाहर हुए थे। वहीं 2023 में चोट के कारण एशेज सीरीज के तीन टेस्ट मैचों में इस खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ा था। लेकिन इन 12 सालों में फिट रहने के दौरान ये पहली बार हुआ है कि लियोन प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं। ये खिलाड़ी तब से अब तक फिट रहते हुए सभी टेस्ट मैच खेला है। लियोन अगली टेस्ट सीरीज में फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया के स्क्वाड में शामिल हो सकते हैं। इस खिलाड़ी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान हीं किया है।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस शतक से भी रूट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह यही कर रहे हैं।

रूट ने इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 पर टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। रूट से पहले इस नंबर पर सिर्फ चार ही बल्लेबाजों ने टेस्ट में 8000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की लेकिन वह भी इस मुकाम को नहीं छू पाए। कोहली के नाम तो टेस्ट में 10,000 रन भी नहीं हैं। टेस्ट में कोहली के नाम 123 मैचों में 9230 रन हैं। चौथे नंबर पर खेलते हुए कोहली ने 7564 रन बनाए हैं।

इसके साथ ही रूट के नाम क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मैदान पर कुल आठ शतक हैं। उनके बाद किसी का नंबर है जो इंग्लैंड के ही माइकल वॉन और ग्राहम गूज का। दोनों के नाम लॉर्ड्स में कुल 6-6 शतक हैं।

साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप हुए अलग

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत की मशहूर बैडमिंटन स्टार और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता साइना नेहवाल ने पति और पूर्व शटलर पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद रविवार की देर रात इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए शेयर की।

साइना और परुपल्ली कश्यप की 6 साल की शादी टूटने से पूरा खेल जगत हैरान है। साइना ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि, कभी-कभी जिंदगी हमें अलग रास्तों पर ले जाती है।

बहुत सोच विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला लिया है। हम एक-दूसरे के लिए शांति, विका और सेहतमंद जिंदगी का चुनाव कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि, मैं बीते पलों के लिए आभारी हूं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूं। कृपया इस समय हमारी निजता का सम्मान करें।

साइना और कश्यप की मुलाकात हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद अकादमी में हुई थी, जहां दोनों ने बचपन से एक साथ ट्रेनिंग ली थी। 14 दिसंबर 2018 को दोनों ने शादी की थी। जहां साइना ने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया और वर्ल्ड नंबर 1 बनीं, कहीं कश्यप भी कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में गोल्ड मेडल जीतकर टॉप-10 में पहुंचे थे।

पारुपल्ली कश्यप ने 2024 की शुरुआत में पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास ले लिया था और अब वह कोचिंग में सक्रिय हैं। साइना नेहवाल पिछले साल से ही ब्रेक पर हैं और सिंगापुर ओपन 2023 के बाद से कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है।

साइना ने पिछले साल गगन नारंग के पॉडकास्ट हाउस ऑफ ग्लोरी में अपने करियर को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें आर्थराइटिस की समस्या है और वह अपने भविष्य् को लेकर विचार कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि, मैं भी इस बारे में सोच रही हूं। उन्होंने संकेत दिया था कि 2025 के अंत तक वह संन्यास को लेकर आखिरी फैसला लेंगी।

बाढ़ ने छीनी गर्भवती की जिंदगी, उफनती नदी में वाहन फंसने से तड़प-तड़पकर मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की जवा तहसील के बरहटा गांव में भारी बारिश और उफनती नदी ने एक गर्भवती महिला की जान ले ली। प्रियारानी कोल (8-9 महीने की गर्भवती) की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे जवा अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में महना नदी के तेज उफान के कारण वाहन फंस गया। करीब दो घंटे तक वाहन में फंसी प्रियारानी तड़पती रही और बिना इलाज के उनकी मौत हो गई।

बाढ़ ने रोका अस्पताल का रास्ता: जवा तहसील के भनिगंवा गांव की रहने वाली प्रियारानी कोल, पत्नी सोनू कोल, को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की कोशिश में थे। लेकिन भारी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर थे, जिससे महना नदी पार करना असंभव हो गया। गांव के एक झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन उसने प्रियारानी को मृत घोषित कर दिया।

40 किमी का चक्कर, फिर भी अंतिम संस्कार में मुश्किल: प्रियारानी के जेठ ने बताया कि वह पहले से एक बेटे की मां थीं और 8-9 महीने की गर्भवती थीं। बाढ़ के कारण अस्पताल पहुंचना मुश्किल हो गया, जिससे उनकी जान चली गई। शव को मायके से ससुराल लाने के लिए परिवार को 40 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ा। ससुराल में भी सड़क न होने के कारण शव को बड़ी मुश्किल से लाया गया और अंतिम संस्कार किया गया।

बाढ़ और खराब सड़कों ने बढ़ाई मुसीबत: परिजनों ने बताया कि प्रियारानी मायके में सुरक्षित डिलीवरी के लिए गई थीं, लेकिन बाढ़ और खराब सड़कों ने उनकी जिंदगी छीन ली। यह घटना रीवा जिले में बुनियादी ढांचे की कमी और बाढ़ प्रबंधन की कमियों को उजागर करती है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जलमग्न नाले में पलटा पिकअप वाहन, चालक की बची जान

रीवा जिले के जवा थाना क्षेत्र के खरपटा गांव के पास आधार नाले में बाढ़ जैसे हालात के बीच एक पिकअप वाहन पानी में पलट गया। चालक ने किसी तरह वाहन से निकलकर तैरते हुए किनारे पहुंचकर अपनी जान बचाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

भारी बारिश के कारण रीवा जिले में नदियां और नाले उफान पर हैं। रविवार शाम को जलमग्न रपटे को पार करने की कोशिश में पिकअप वाहन नदी के बीच में तेज बहाव के कारण पलट गया। वाहन का अगला पहिया पुल की रेलिंग में फंसने से वह पूरी तरह पानी में नहीं समाया।

सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शैलेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक अखिलेश्वर सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने पहले वाहन में लोड सामान को सुरक्षित निकाला, फिर पिकअप को खींचकर बाहर निकलवाया। यह घटना लोगों की लापरवाही को दर्शाती है, जो जलमग्न रपटों को पार करने की कोशिश में अपनी जान जोखिम में डालते हैं। प्रशासन ने बारिश और बाढ़ के दौरान सावधानी बरतने और जलमग्न मार्गों से बचने की अपील की है।

सतना में पुराने बोरवेल के गड्ढे में डूबीं दो सहेलियां, दोनों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र के रेरुआ कला गांव में रविवार दोपहर एक पुराने बोरवेल के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से दो सहेलियों, सोमवती (16) और दुर्गा (12) की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 3 बजे हुआ। एक बच्ची का शव शाम 5 बजे निकाला गया, जबकि दूसरी का शव 20 फीट गहरे गड्ढे में फंसा होने के कारण देर रात 12.45 बजे एसडीईआरएफ की टीम ने निकाला।

करही निवासी चक्कू अहिरवार, जो रेरुआ कला के भटवा टोला में ससुराल में रहकर खेती करता है, ने बताया कि वह पत्नी के साथ हिलौंधा हार में रोपा लगाने गया था। उनकी बेटी सोमवती और उसकी सहेली दुर्गा भी साथ थीं। दोनों बच्चियां खेलते-खेलते पास के रमेश मिश्रा के खेत में बने बंधान तक पहुंच गईं, जहां गड्ढे में भरे पानी में डूब गईं।

ग्रामीणों के मुताबिक, खेत में एक पुराना बोरवेल था, जो धंसने से गहरा गड्ढा बन गया था। भारी बारिश के कारण इसमें पानी भर गया और बंद बोरवेल भी खुल गया। बताया जाता है कि एक बच्ची का पैर फिसलने से वह डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में दूसरी बच्ची भी पानी में उतरी, जिससे दोनों की जान चली गई।

नागौद एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जेसीबी से मिट्टी हटाकर पानी निकाला गया, तब जाकर दुर्गा का शव बरामद हुआ। घटनास्थल तक पहुंचना आसान नहीं था। हिलौंधा गांव से साढ़े 3 किलोमीटर का कच्चा रास्ता कीचड़ और मिट्टी से भरा था, जिससे एसडीईआरएफ और अधिकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

रात करीब 1 बजे दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए नागौद अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना पर पूर्व विधायक कल्पना वर्मा, जनपद सीईओ अशोक मिश्रा और टीआई अशोक पांडेय भी मौके पर पहुंचे थे।

एसडीएम ने बताया कि बोरवेल विफल होने पर उसकी केसिंग निकालकर यूं ही छोड़ दिया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़े बोरवेलों की अनदेखी और सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर करती है।

पुष्पराज नगर में घर में घुसकर चोर ने मोबाइल और रुपये चुराये

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पुष्पराज नगर में एक घर में घुसे अज्ञात चोर ने मोबाइल और 6000 रुपये नकद चुरा लिए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस चोर की पहचान और तलाश में जुट गई है।

पुष्पराज नगर निवासी भारती प्रसाद त्रिपाठी के घर में बीती रात करीब 1 बजे एक अज्ञात चोर पड़ोसी की छत से उनके घर की छत पर चढ़ा और सीढ़ियों से नीचे उतरकर कमरे में पहुंचा। वहां सो रहे भारती प्रसाद का मोबाइल और तकिए के नीचे रखे 6000 रुपये चुराकर फरार हो गया। उस समय भारती प्रसाद नीचे के कमरे में सो रहे थे, जबकि उनका परिवार ऊपरी कमरे में था।

घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई, जिसे पीड़ित परिवार ने पुलिस को सौंपा। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घटना को देखकर लगता है कि चोर ने पहले रेकी की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसजीएमएच में स्टाफ नर्सों से अभद्रता के मामले में डॉक्टर निलंबित, जांच कमेटी पर पक्षपात का इल्जाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में ईएनटी विभाग के डॉ. अशरफ और स्टाफ नर्सों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। नर्सिंग एसोसिएशन ने डॉ. अशरफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी बर्खास्तगी की मांग की है। हालांकि जांच में दोषी पाये जाने पर डीन ने चिकित्सक को निलंबित कर दिया है। बतादें कि 80 से अधिक स्टाफ नर्सों ने लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें डॉक्टर पर प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए हैं। कमिश्नर और कलेक्टर के निर्देश पर गठित जांच कमेटी पर भी नर्सिंग एसोसिएशन ने पक्षपात का आरोप लगाया है। एसोसिएशन का दावा है कि कमेटी डॉक्टर के पक्ष में काम कर रही है और नर्सों को झूठा साबित करने की कोशिश कर रही है। नर्सों ने बताया कि कमेटी की नोडल ऑफिसर डॉ. शशि जैन ने शिकायतकर्ता नर्सों को डांटकर डॉक्टर का बचाव किया।

इसके विरोध में नर्सिंग एसोसिएशन ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डीन को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने मौजूदा कमेटी को भंग कर नई निष्पक्ष कमेटी गठन की मांग की, जो कलेक्टर और कमिश्नर की निगरानी में काम करे।

ईएनटी विभाग की इंचार्ज सिस्टर उर्मिला तिवारी ने भी लिखित शिकायत में डॉक्टर के काले कारनामों का जिक्र किया है। नर्सों का कहना है कि डॉ. अशरफ ने अभद्र और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसे सार्वजनिक रूप से बताना मुश्किल है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में भी ऐसी घटनाएं जारी रहेंगी।

स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ते वक्त यात्री गिरा, पैर में गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में सोमवार शाम को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर प्लेटफॉर्म पर गिर गया। घटना में उसके पैर में गंभीर चोट आई। आरपीएफ ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

यूपी के आजमगढ़ जिले के हैवतपुर निवासी 50 वर्षीय यात्री अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ ट्रेन नंबर 22178 महानगरी एक्सप्रेस से बनारस से मुंबई जा रहे थे। ट्रेन के सतना स्टेशन पर रुकने के बाद यात्री पेप्सी लेने के लिए नीचे उतरे। कुछ मिनट बाद ट्रेन चलने लगी तो वह दोबारा चढ़ने लगे।

ट्रेन में चढ़ते समय उनका पैर फिसल गया और वे प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े। गनीमत रही कि वे पटरी की तरफ नहीं गिरे। घटना में उनका एक पैर ट्रेन के फुटरेस्ट की चपेट में आ गया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई।

हादसे के तुरंत बाद आरपीएफ और जीआरपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रेन को रुकवाया और यात्री के परिवार को भी ट्रेन से उतारा गया। इसके बाद घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार यात्री के पैर में गहरी चोट आई है, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। आरपीएफ ने इस संबंध में स्टेशन पर यात्रियों को सतर्क रहने की अपील की है।

मऊगंज में सनसनीखेज चोरी, महिला सरपंच के घर में घुसे चोर, पायल और कान से झुमका खींचकर फरार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के रतनगवां खास की महिला सरपंच मुलिया साकेत के घर में घुसे चोरों ने उनकी नातिन के पैर से पायल उतारी और सरपंच के कान से झुमका खींचकर फरार हो गए। चोरों ने डेढ़ लाख रुपये से अधिक के जेवर और नकदी चुराई। घटना मऊगंज कस्बे में हुई, जहां सरपंच अपनी बेटी और नातिन के साथ रहती हैं।

थाना प्रभारी राजेश पटेल ने बताया कि सरपंच की बेटी, जो अस्पताल में कार्यरत है, मकान निर्माण के लिए 40 हजार रुपये बैंक से निकाले थी। देर रात चोरों ने दरवाजे का कुंदा तोड़कर घर में प्रवेश किया। अलमारी तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और 40 हजार रुपये नकद चुराए। फिर कमरे में सो रही नातिन की पायल और सरपंच के झुमके निकालने लगे। सरपंच की नींद खुलने पर चोरों ने झुमका खींच लिया, जिससे उनका कान फट गया। शोर मचाने पर चोर धमकी देकर भाग गए।

महिला सरपंच ने बताया कि चोरों ने चार जोड़ी पायल, झुमका, मछली, तीन पुलिया और 40 हजार रुपये नकद चुराए, जिसका कुल मूल्य डेढ़ लाख से अधिक है। पीड़िता ने एक संदिग्ध को पहचान लिया और उसका नाम पुलिस को बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

सोहागी पहाड़ में हो रहे हादसों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कार्यवाही को लेकर मध्य प्रदेश शासन को भेजा पत्र

बीजेपी नेता गौरव तिवारी ने की थी शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सोहागी पहाड़, त्योंथर क्षेत्र (नेशनल हाईवे-30) पर लगातार हो रहे सड़क हादसों और सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर बीजेपी नेता गौरव तिवारी के द्वारा सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य संजय बंदोपाध्याय, सहित सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली को विस्तारपूर्वक शिकायत पत्र भेजा गया था। जिसमें पत्र उन्होंने बीते कुछ वर्षों में हुए हादसों का उल्लेख करते हुए सड़क निर्माण की घटिया गुणवत्ता, गलत डिजाइन और सड़क सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की जांच कराने की मांग की थी। इसमें 1 फरवरी 2024 को ट्रक के पलटने की घटना और हाल ही में 5 जून 2025 को हुए दर्दनाक हादसे का भी उल्लेख था, जिसमें एक ही परिवार के 7 लोगों (जिसमें 4 बच्चे भी थे) की मौत हो गई थी।

भाजपा नेता गौरव तिवारी ने बताया कि शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय और सड़क सुरक्षा समिति के सचिव संजय मित्तल ने 6 जून 2025 को पत्र जारी कर अनुराग जैन, मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल को इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाए गए ठोस कदमों की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट समिति के चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर सप्रे और सदस्य डॉ. निशी मित्तल ने भी इस पत्र को स्वीकृति दी है।

जानकारी के मुताबिक पत्र में साफ कहा गया है कि राज्य सरकार को ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग, ट्रैफिक नियमों के पालन और सड़क की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। समिति ने 10 जुलाई 2025 तक रिपोर्ट जमा करने को कहा है ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति का आभार व्यक्त करता हूं कि मेरी शिकायत पर संज्ञान लेकर इस गंभीर समस्या पर कार्रवाई शुरू की गई है। इसके साथ ही मैं मांग करता हूं कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो, सड़क की गुणवत्ता, डिजाइन और ट्रैफिक नियमों को लेकर कठोर निगरानी हो ताकि निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके।

मैहर में ओवरटेक करने में ऑटो से टकराई बस, 5 लोग घायल

2 लोग सतना जिला अस्पताल रेफर, ग्राम इटमा के पास हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में एक बस और ऑटो की टक्कर में 5 लोग घायल हो गए। यह हादसा मैहर थाना क्षेत्र के ग्राम इटमा के पास ह्वा 30 पर हुआ। बस क्रमांक ट्रक को ओवरटेक कर रही थी।

इसी दौरान सड़क किनारे जा रही ऑटो से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो सड़क से उतरकर खेत की तरफ जा गिरी।घायलों में अंजू प्रजापति (20), रानी प्रजापति (38), रामरती प्रजापति (55), जितेंद्र वर्मा (26) और अरुणा वर्मा (42) शामिल हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने टोल की एंबुलेंस 1033 को सूचना दी। सभी घायलों को मैहर सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर सीमांकन द्विवेदी और उनकी टीम ने घायलों का तत्काल उपचार किया। रामरती प्रजापति और अंजू प्रजापति की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

महिला की संदिग्ध मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की लालगांव पुलिस चौकी क्षेत्र के भौखरी गांव में फुलला देवी (फूल देवी) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति सनी पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है, जबकि पति का दावा है कि फूल ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतका के भाई ने बताया कि उनकी बहन कई वर्षों से सनी के साथ भौखरी में पति-पत्नी के रूप में रह रही थी और उनके दो बच्चे हैं। शुरू में सब ठीक था, लेकिन बाद में सनी लगातार फूल के साथ मारपीट करने लगा। आरोप लगाया कि सनी ने दहेज के लिए बहन को प्रताड़ित किया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि दो महीने पहले भी सनी ने फूल को मारकर कुएं में फेंक दिया था, जिसे गांव वालों ने बचाया था।

मायके वालों ने शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

भाई ने बताया कि फूल की शादी के लिए बात चल रही थी, लेकिन सनी ने मना कर दिया और उसे भगा ले गया। मारपीट की घटनाएं लगातार जारी थीं। घटना की जानकारी मायके वालों को जेठानी के जरिए मिली, जो दावा करती थी कि फूल ठीक है, लेकिन हकीकत में वह प्रताड़ित हो रही थी। पुलिस ने बताया कि डॉक्टर की प्रारंभिक रिपोर्ट में जहर खाने से मौत का उल्लेख है। तहसीलदार द्वारा पंचनामा और थाने से प्राथमिक जांच की जाएगी। मायके वालों ने एफआईआर दर्ज कर इंसाफ की मांग की है।

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज में शुरू किये जायेंगे नये कोर्स

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज विंध्य क्षेत्र का एक प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थान है, जिसकी सुदृढ़ता न केवल क्षेत्रीय तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगी। उन्होंने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के तकनीकी सशक्तिकरण से आने वाले समय में विंध्य अंचल उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह संस्थान स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने के साथ-साथ प्रदेश की तकनीकी क्षमताओं को भी विस्तार देगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा विवेक पोरवाल एवं रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता के लिए योग्य शिक्षकों की भर्ती अहम है। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान पाठ्यक्रम के विधिवत संचालन के लिए स्वीकृत पदों की पूर्ति के साथ नवीन पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार उत्कृष्ट शिक्षण संकाय होता है। सभी विभागों में योग्य, अनुभवी एवं नवाचारोन्मुख फैकल्टी की शीघ्र भर्ती की जाए ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा मिल सके। इसके लिए रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को विभाग आवश्यक सहयोग प्रदान करे। समय की मांग अनुसार नवीन कोर्स का संचालन करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित योजनाओं को शीघ्र अनुमोदन की प्रक्रिया में लाया जाए।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कॉलेज की 5 वर्षीय एवं 20 वर्षीय सुदृढ़ीकरण योजना प्रस्तुत की। उन्होंने 88.30 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, अधोसंरचना विकास और अन्य सुविधाओं के विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत किया।

प्रस्तावित योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिकल व्हीकल टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन एवं फायर टेक एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग जैसे समसामयिक विषयों में 5 नवीन यूजी प्रोग्राम तथा साइबर सिक्योरिटी, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, डिजिटल कम्युनिकेशन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन डिजाइन, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, एडवांस प्रोडक्शन सिस्टम सहित 9 पीजी प्रोग्राम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव शामिल है। साथ ही 17.53 करोड़ रुपये की लागत से सेंट्रल लाइब्रेरी, 12.33 करोड़ रुपए लागत से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और 1.45 करोड़ रुपए लागत से इन्क्यूबेशन सेंटर के निर्माण कार्य विकास योजना में शामिल हैं।

सतना में किराना दुकान पर फायरिंग का छठा आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के महादेवा रोड स्थित किराना दुकान में 1 जुलाई को ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में फरार चल रहा आरोपी शुभम पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को नागौद थाना क्षेत्र के जिगनहट गांव के पास से पकड़ा गया। शुभम, मुख्य आरोपी अमित उर्फ दीपू उरमलिया का करीबी साथी है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। अब तक इस मामले में 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।